₩**₹**258

भना अक्।

--

ঢাকা কালেজের ছাত্র

শীগিরিশ**চন্দ্র মজ্**মদার

প্রণীত।

ঢাকা

ভেনষত্ত্র মুক্তিত।

मकाका २२४८ मुका । **८ जा**मा

म्बलाह्य ।

মদাজ্ঞানতি নির-বিধির জীল জামুত কারু কাশী কান্ত মুখোপাবাধ্য মহোদ্য শীজীচরণাজোজেয়।

हर महाखन। এই मर्मारत अव्यात भारतके कान महाचारित नीन चौत श्रृक्तकते लिटवारम्हरू मध्यांभेन कतियः। धटकत श्रीत्वर इस्तिकतिरा था-কেন। বিশেষতঃ স্মানার্মত নিক্নষ্ট লেথকের এই এक है। क बुंबा कर्मा वर्षे किल किसन क बुंबा विरव-চনায় আপনকার মনোবাণিত নাম এই প্রেকে मिट्टायिनत नाथ बिक्रिक कतिनाव अवक मटक. अप्रिमि (य श्राका / श्राहमहकारत आगारक खानिमान করিয়াছেন ভাষার ক্লডেষার চিক্তরতা এই পু-ক্তক মহাশ্যের জীওবলে সন্পূর্ণ করিলান। এই নিশৃষ্ট পুস্তকে ভবাদৃশ মহান্মার নাম সংলগ্ন হওয়া-তে কেবল নামের গৌরব ছ্রাস ব্যাতিত আর কিছুরই महातमा माहै। कि कति आधि आश्रमात शिवा। জাপনার ত্রীচরণ ধ্যান ব্যক্তিত কোনকর্মেই প্রারম্ভ रहेर्ड भीतिमा। अडबर रह छत्ता। आगांत धहे বিষয় যে অপরাধ হইল, ডাহা আপনি ছাত্রবংদ-न्ड (क्षर्त मोर्क्स) करून।

> আপনকীর নিতান্ত বাধা ছাত্র জীগিরিশচক্ত মজুমদার।

বিজ্ঞাপন ৷

প্রায় তিম বংসর গত ছইল বেতক। মাধান কৃত वक्ष विमानित्व सर्वाश्रव श्रीवृत इतिन्छन मञ्जूमन्दि মহাশয় পাঁভিত ছিলেন। তাঁচার উৎসাহে তথা वित्ना (माहिनी नामी अवधी मडः मश्का शिज। इत বলাটী ক্ষুত্র ছিল ৰটে, কিন্তু ছাত্রনিগকে জ্ঞান नारन कानभरखंडे लुकि करह नाई। ज्यारक चारमग्राक जानि रमने मनाटक करनकारनक श्रीतः পাঠ করিয়াছিলাম। তথ্যো এতৎ পুত্রক-নিবোন ज शनामध अवक्ष कृष्टेगे**ड श**ठिज रहा। किन्तु हेरा त मूजिङ रहेश अनुभारत क्षांतिक रहेत उभा ভাষার কোন প্রত্যাশ ই ছিলন।। কিয়ৎকালাভী: रहेन यामात अपूज श्री धंजाशन्य प्रज्यनात के अवस ছুণী পুত্তকাকারে মুদ্রান্তিত করিতে বিশেষ উৎসাৎ প্রকাশ করে, তাহার সাহস ও মতু দর্শনে এ প্রবন্ধ ছুটীর কোন্য স্থান পরিবর্ত্তন ও সন্তম্ভ ন করিয়া দেও? इत। এই পুস্তকের প্রথমাংশে বসম্ভকালে এদেশ य अकात आहा जिक हाक पूर्व समझ क इस, जारा বিশ্তি হইরাতে এবং দিকী গংশে অন্তর্জর সম্ভি-বাংগরে বেউকা হইতে দাল্য গংল সময় পথি ১৫৭ থে সকল নৈস্থিকি শোভা দর্শন করিবাছিলাম ও/২। বেশিত হইরাতে:

 अक्ष जूनमन् नमीरल निरंतस्त करे, के छैं। हां ना
 कि श्वादक रकाम रमाय (साम मिनित अरमर मधानन,) मनम करिटल आमारक क्रूब स्थिक गिर्देशमा करिया थान व के निर्मा करित माञ्चन।
 करित।

অানি ক্তজাত। সহকারে বলিডেছি যে ঢাক।

হালেছের সিনিয়ার পণ্ডিত জীয়ত জীনাথ তর্কালকার

ও জীয়ত বার হবিশচনা নিত্র মহোনছের। অংগাসাধীকার করিয়া এই পুত্তক সংশোধা করিয়া নিয়াছেন।

এই মহাআদিব্যোর কাহাঁয়া বাতীত কোন মতেই

আনি ইহাতে ক্ষক্রায়া হইতে পারিতাম না।

শ্রীগিনিশ তক্ত মন্ত্রমণার। ভাকাকাংসাদের ভাত।

স্বভাব-দর্শন।

ইর গো লেখনীপরে হে কবিতেখবি। कर-धाना-कल्मना-मिन्नी-मरत्र कृति। ভোমার কফণা-কণা লাভ করি বাণি! वाक् मांकि विशेष मृत्कत महत्र वांगी ॥ মাতঃ । ভবে তৰ ফ্পায়ত-মৃত্যুহর। কত **জনে করিয়াছে অজর অ**ধর ॥ अमारमत बार्ष्ट्र मोडः कि छन अमन। হবে যে তেম্ম তব ক্ষণাভাজন ! **उटर यनि निक छटन और १। महोम**हि ! नगानंत भीत्नत खत्रमा गांख अहै। मारमञ्ज উচিত পাত मंत्रिक मिन्छ। धनी कि करिएन मौने छंड कननम ॥ रय मर ভारूकरतं ভारधरम धनी। श्वकर्ग मरक्रम जाँदी धनाँची म श्रीन ॥

्टिमिश कहिए मया उपन कि स्टर ?

श्रीद्रम मयोक्ट एपि ! मया द्वि छट ॥

छवे मयावटन किन्ना किन्यन ।

छाट ना अनाम छाद स्म कि मादन ?

कादा कि नाष्ट्रक आणि कित श्रीवान ।

नाहि हो कि विधार्गिक कित्र छ अर्जन ॥

गोहि हो कि विधार्गिक कित्र छ अर्जन ॥

गोहि हा । छिल तटन विज् छन-गोम ॥

नक्ना कित्र। छाना कर्ना गूरन ।

दह निक क्रि गुर्थ श्रीरम्म केर्डन ॥

এন্তার ।

থভাত

প্রভাতে দর্শন করি ভয়ে শান্ত বিভাববী
কান্ত স্থানে নীইয়া বিদায়।
কাতি বিধাদিত-মনে নিয়া সধী ভারাগণে
ক্রেত বেগে নিজ্জ নে পলায়।
হার হায় কিবা মুখ ! মন্ত্রিন শানীর মুখ
নিশীর বদন না হেরিয়া।
ভাহাতে প্রচন্তরবি চাকিতে চাঁদের ছি

अन निक ছবি প্রকাশির।

চরস্ত ভাস্কর কর টিসতে নারি সুধাকর 🐇 लुकाहेल। जन्दत (यमन । सर्वित किया प्रथ कात । जीवत्य खनाटम याव শশধর অনুচরগণ ॥ न) । हरत मनीत छोत्र एटलोटततः हटार्थातः बारम श्राह निज्ञ अस्तत । বাছবের **অধোমুখ** পেঁচকের নাহি সুখ हृत्थं भरमं भानभरकां हेरत है. তক হতে নিরমল বাবে নিহারের জন चरत हक मगौत्। छरत्। বোধ হয় শাশধরে হারা হোয়ে সক্তিরে कांट्स यम मक्कन खरत ॥ शंकतात प्रवास ते वाता माना में ध्विनिष्ट नत्नागं यथ। विमन नवजी बरन फूल गर्डमन परन श्राक्षर खरक निर्मालमूथ ॥ नित्योचिक विकासन श्रीन करत समक्रम गरांगत्म विश्वा भाषात् । चाँचि कांतियां करतः पूर्णा पूर्णा पूर्णा चारव · श्रुवांनी वरिट्संटन यात्र । क्छे गरन विजन्न जुलिए इनिन कून नांगांवनी अटलत पूर्व :

यूर्य मञ्जूषी करत कूल कुरल मार्कि छट माटकार चाटल मांजावन म এই যে অভাব শোভা ভারুকের মনেলেভি। अलहम मारहति आमि हो।। এতে উচি শত ভাতে লগার পালনার লাতের घती हुई "इस्कारन" बाह्य ॥ किंदा सूथ मृति मृति वनन अक्किं कि নয়ন মুদিয়া সুখ কত। किस भरत कांत्र कांत्र ! खुरम खुरम खुरम Cमाधित्य उभे टहा ग वि ॥ লাছ। উত্করি শেষে বাহির হইন। কেশে विकल याद्यत दिन्भात । প্রভাবের আভা নাই ভাতুকে নেখিতে পাই मति कृत्यं क्षि कांग्र कांग्र अना किया जागाकरम किया केने क्रशीयरन নিদ্রা ভদ প্রভাত সময়। मधुड़ विक्ष खटन लोकिन रोलार्क कटड़ मुर्थ इन आफूल कारा । ----

> প্রভাতের আভা হেরি বিহক্ষনতর। নীড়ে বসি গীত গায় পেরে স্কলময় ৪ সমগুর দ্বিকুল কুল কুল স্বর।

्रकाकिन-नमिछ-जात्म (मंहिष अत्रदः) প্রেরতী সদনে বসি ডাকে ঘুরু সব। मृत राज कारम जारम क्रुएवेह हर । नाथिनी जेशदा जातन वातम निवत । গৃহত্তে কাকার # টিয়া রাধাক্রথ কয় # কভ বেলে বাল টিয়া কভ গীত গায়। গোহিত শ্রবণ তার শ্লোকের ছাটাল। ছে শুক্ত। অবনে তব গীত মনোহর। ছিং সে কি বিমানচর বিহল্পনিকর। टां ८४३ कि विश्विष्ट अमा यानवसम्हन । বসন। করিতে তুই সরসাহারনে ॥ मा (डोमोटक कृद्ध (इस नम कि दा कल: তাহার। স্বাধীন তব চরণে শৃত্বল ॥ भटनांच्य कांड्राय घटश कत्रदश नवन। विश्व कुर्लंड-एडांश कत्र एडांख्य ॥ ध्येनश्टम ट्यांमाट्न ग्रंटर याटम यक कम । চুত্র দিয়া অক্ষে তব করে করার্ণান # श्रमिता (जागांत वृत्ति एहेता जेलागा। रत्र (चंट्रक जोहोरम् ७व मान "उक्तनान" । अमन कामरत वन एटर छक्ष धता ।

[•] अक्रादित शृहीः

सृत्य किन्द्रे छ्ट्यं चांट्य छाता वालुह ?

वियास निक्ष्णं ते कि सहस्र ।

वियास कि जब यस इस डेडाडेस ॥

चांगि छावि मना यस प्रकृत रखानां ।

वाङ्ग मना बरन बरन कहिर्छ विकास ॥

मक्त्यास थाकिर्छ मह बोक्सद ख्रास ॥

मक्त्यास थाकिर्छ मह बोक्सद ख्रास ॥

रस्ति । छात्र मी रणां त निर्माण ।

दर्शित । छात्र मी रणां त निर्माण ।

दर्शित । छात्र प्रस्ति ।

दर्शित ।

कि मधुत समिनारम सोहिल आवत ।
मधुत प्रस्क मधुमोडिला ॥
शूनकिड विष्ठ डांत्रा अस्म महल महल ।
निर्मात करतरह एह किया स्टब्लेगहल ॥
वारतक स्म वांत्र कराह है होत्र कारह किया सम्बन्ध ।
विस्तृति होत्र है होत्र कारह किया सम्बन्ध ।
वर्ष कि मिकिका मना असुमा मनस्म ।

उक्षास विजामी यथा विजाम हराया ! कटत कि अलीकारमारम कीवन मार्शन। अन्दान्त एक धार कृति विमार्कन ॥ 💛 शास्त्रिक कामाम जाणि विकित कामा প্রপুন ছইতে করে মধুর সর্থা ম रय आरम इरशेत गरंत प्रमनात जन। कि वर्तन लेल्ड्स एकार्टिश स्म तुम विश्व ॥ ছে নর। তামার কাছে এনপুরি ছার বিজ্ঞানপীয়াত সাচে ভব হাধিকার ৷ অনিত জামোদ স্থ দিয়া বিসঞ্জন। एउटन कत्न। टम्हें कार्रित अर्कन ॥ সাগর ষতন বিদেন দেয় কি রতনে। **छेट्रे कि अ**भिष्ठा डोट्ड म**ब्ब विद्**त ॥ जोडे विन हां ज़ नत ! मानमविकात । वड कानागुड करत नांदू तक नांद ॥ হায় তব ব্যবহার একি বিপরীত। শত্রুর আচার দেখি দাধুর সৃহিত ! मनज मरज (पडे जेना किट्ड काम। विकेश। योष्ट्रीक कारण महिष्टि श्रीक खर्गन ह प्त याज्यम रमराम मानम स्रोती है। (व करत मङ्ग्रेशस्य प्रवीकि मध्यत ।

द्व करत मरखत मरन श्रेट्लात अक्षा ट्य करत कारिक्या भारत थारलेख किलय ॥ श्रुक्त तंजन (महे कृतत्वत् भात । অনুরভ: ভাঁছোর সংলে সাজে কি ভোগার : कि ल्रांट्य डॉक्स्ट्र कत नाम डेर्गहार । कि प्रांटर दमी जांगा जांत इतिहल ध्रांग स्रकी छि अवद्या छैति कुलिय। (इश्मां?) চাক ভার ষশরাশি অলীক নিজায়। রে মৃত হিংস্কে। ছোলে বলি বাসবার। लगांत वांगमा एकांत इत्य मः गुभात ॥ भाषु (य कलकी छाड़े एक करत थ्रेडाए। **टलरन टलरन निम्हरक**त जार्थिश **रह** ॥ नगरत गुष्टित निष्याः तर्वस् भरोतः। वां ज़ित्व ख्योत यण दिखन क्षत्रां ॥ (मर्थ (यथ होति आमि भंगरम यथन। आफ्टाटम कांनिय वर्ण हविह किंद्रन ॥ " गमन जोकर नन कि करत विश्वीत । मिन भीतम पन अगर्ड ध्रांताम । কালে সেই নেয় হয় যথন অন্তর 🛊 বালকে বিশুণ রূপে বিলেশের কর ।

1.2]

তাত এব কর নর। রর্দ্ধি প্রচার।

সতের সংসর্গে কর ছেবের সংহার ॥

সাধুর স্থীতি সদা কর ছে পালন।

কলুষ বিদাশ কর বাসন বর্জন ॥

স্যতনে কর সদা বিদা। উপাক্ষন।

সর্সে সংশ্ কীর্তি করছে কীর্জন ॥

বামভীতে একি শোভ। করি বিলোকন। ভূবিত প্ৰত্ৰ সাজে কুমুমকানন ॥ कृष्टिए मानजी यूथि मिलका प्रकारित। শোভিত গেঁদার দল অপরপ ভাতি। কিব। বিকশিত জব। কুসন নিচয়। দর্শনে শণজের হয় ভাজির উদয় 🛭 मर्क्तार्शित (मार्ड गरनांच्य दनमध्रि। चनज-कृषरमध्ती भाषान यन्त्री॥ कनक उनिमी श्रीश (मथजोत्र काम। विक्रिक अन्वेककारन शांत्र शांत्र शांत । भारक एक जमा कारी क्यम जकन । **डेक्टल नव्य क्रांट्स निमिद्धत क**ल ॥ तिक्या विकास विकास मार्क कियरन । খচিত প্ৰবাদ মধা গৌজিক ভূমৰে ৷

ভাষে অতি পরিমল পুলা গন্ধসহ। यम यम जिंदि अमं तरह शक्तरह॥ উড্ডীন মাকিক। করে মরব সঞার। সভাবিয়া করে জলি প্রস্থান বিহার। (मथर्ष जादक भति (नम महमास्त । ज्यित्ह ध्वक्तां यस हे स्मित्निकत् ॥ গোছিল নয়ন তার ফুলের পোভায়। यमारम खमत माहि अवन खूड़ांग्र ॥ विहिष्ट भीत् छवर्ष मलय श्रीनम । ত্বক নাস। উভয় করিয়া বিমোহন n ভাষান্তব হল মতি হেরে আচম্বিত। উদ্দে ঘই প্রজাপতি গর্ফোর সহিত। অভীব চঞ্চলগতি কভু ভিরে নয়। দপীর স্বভাব বল শান্ত কোথা ছর # কিদত্তে পভক[্]বসে কুমুম উপরে। कृष्ट कारन श्रन मध्य यात्रं श्रूकारित ॥ ट्रम दुन्ति (एट्र मम जन्न कर्माकांत। यक्षण मार्थ करत गर्किका धार्मत्॥ হেপতক। বল কেল এভাব ভোমার। मो एक कि एक तमात्र को एक एक निकास । बट्डे होक्शरक अब होकां करनवता।

বটে পুপারস ভুমি ভুঞা নিরস্তর। কিছ তবা পূৰ্ব্ব কথা পড়ে কি আর্ন! "পলুপোক''? নাবে খ্যাত আছিল। যথন » घणात द्वित्रा उव कन्दी आकात्। रहें कमशंकांत संख मनाकात ॥ भाक्तांत-समस्कारित किन उर वात नामांश कत नि कड्रशेरवण ऋवाम। ভোমার দৈশব কাল জ্যন্য যেমন। আনি তথা ইহলোকে কাপ্রিয়দর্শন । পারি যদি মোহ . গুটি করিতে ছেদন। ट्रिशेवर्थक जिक्काल नाइहे महन ॥ **ट्रिशंडक । उपार्टिशं कडि**शं श्रेट्रिशं। নিতা সুখ্ধানে তবে করিব গ্নি॥ थिकि व्यक्ता तरङ्ग स्वर्श शिक्ष। -जृतित कामात काम कठून भी जात # **(मर्थाह्य कामिका क्षत्र क्षान्य मिन्छ।** तक्रमीटक कृटि एवं निरंदमरक नम् । (मस्य) मामनेबर्ग ः मिडाः (पूलावन । **चर्दः इत्रोत्रः करतः । मासमहक्षम ।** क्रमा विकास विकास विकास क्रांच (स क्रां कृषि खंदेश विकास ।

কোটি কোটি হ্র্যা আছে প্রদীও ভথার। (कगरन नद्धः स्मर्थनीः वर्गिरतक **उ**क्ति॥ হায় রে ভাস্কর ভবে ভামনীতে লয়। मिडाशास्य त्विकृत अञ्च माहिस्य ॥ আর ভাছে সুশীতল নির্মাল কীরণ। ना (भारक भंदीत नाहि शनरक मतन ॥ এই যে বস্তু নানা স্থের নিধান। তিরস্থায়ী নহে শীশ্ হয় অন্তদ্ধনি ॥ সে সূথ সদলে নিজ্য মনোক্ষ লোভাই। मृर्जियान अञ्बोक विद्रोटक नवात । न) करत्र निर्माण ज्या भतीत महन। व्यानीट हर गांति उथा ना कटर वर्षण । गारपत हिंभ नि उथा नाहिक धाकाल। कड़ देवकूरदेव भांछ। माहि एव ड्रांज 🛭 नर्वमः प्राथन्। निन द्वयम् व खट्टा करह विकृ ८ थम कथा व्यवन विवर्धक । (इन त्रमा ছोटन कामि कतिव निकात । কি ছার আমন্দে এছ [#]দেমাগ[ে] ভোষার ॥ किन्छ यनि एम देशीन एक भी भी है । देशी हन । नारि शांति स्मान कविएक रहमन ह प्रत्य गंकिमान जुति भागिरे अन्य।

कृषि क्षिक्रम वहे कांचि मदाधन ॥

उक् नाम्यः। मारक्ष चाहः। कि मरनांतक्षवः। ৰুতাতত ভালে করে জাখি আকর্ষ। উর্ণাত শিকার লাভের প্রত্যাশায়। वरमञ्जूषा कारम मार्थ नामित्रमद्र अराम्र ॥ रंगा भेजम जोटर स्ट्रेल भेजम। (धरम शिरम करता जादत अमनि दर्शकन । द्रान्ट किक्न काल किना मक ट्राटन। थनाटर मारमान की हे बना बना रहाटन । वन मात्र जूनि मांकि की हिंद्र ध्रेशांन ! नियोदाङ नियादारत क्रांटल व नकान ॥ হার হার! দেহেখ তোর নির্ভাচরণ। शीफ भूबा करत दसहे निकूक कामम ॥ मांश्टम इत कितारणत जेमत शूत्रवा भारथ "शिक्ष" ऋरक्षीत टकरणत पूर्व # क्राट्सर**क् रम**्बद्ध केन महान क्रांचा । হার ভার ভর ভুলা জ্বলা জাভার । একতি ইপিডে জুর ছোমার মানস। त्म विनाइल मांभी काहड ब्लाक्सब्बस ॥ CS मोबरा+विस्कारः। कडा महानम । बारतक विद्यान-दमक करते केमीनम ।

बृदन्त कर्रल-कृष्णां स्वारिक्त कर्रकार । गर महेट्ड , दमर द्वार कोल कट्डट्ट विकार है **इड़ारक डाहाब गांद्या काममनिक**ड़ । अटलाडिंड करह मना दर्जामात असर म **८म्थ जोटर मुथ कोर म शेक्यिं एक केछ।** খেত্ৰিক গোৱাক কাল পাথী নান। মত। आरबादन क्षरमारन जांत्र। कतिरह विश्वत । कार्यमा (य स्वां मिह्न गंत्रल स्वाधांत्र ॥ क्षेत्रं कतित्वं चारव कान कांकर्ण। किनात दम का एक जोता क्हेरव वक्षम । क्षित्र जारात्रत लग्न राराकातः भगन इप्राप्त मांहि कक्षा मक्षेत्र ॥ जाहे राजि अंदर्भान्ट्रम पूजमादिक्षाना । क्षां (अन- तक्षां क्षां हम क्राइ क्षेत्र । जार्ड जार्ड खानसभ भागभ सकत। करन जारर जिल्डा निजा क्यू की कर । कदृष्ट् त्य निकायतमः जापसंस्थः, विकाय । वाजमा भूमिता कल सबर जाराजा धारनरमक अने यहरू मिला नी जेन। CAT THE PROPERTY OF THE PARTY O करन कांद्र कि काँब्रिक कुळाट सः क्वांगाँह।

নাজি সে ঐশিকবলৈ অধিকার ভার ।

মগ্র জিনু এই সব াথারজি দর্শনে।

হঠাৎ তপলোদয় হইল গগনে।

धकारली।

मधारक अरमण कि दिन धर ।

स्रमान कर ।

আই কুলবালা চলিয়া খার। নেখিতে কিলোভা কবলি ছায়। কর্ই পর্বাস্ত লাখা ক্ষায়।

চলে वोड़ांचेंश प्रक्रिनकत । रणांबणे जैमिता त्रकात मरक। करक कुष्ठ कवि जिल्ला उर्ज । অভাবের শোভা স্বথে ছেরিয়। भूकीनिटक व्यापि यांचे চनिया । দেখির ভোজন করিয়া কেছ। दूग योग जाति अथापि ८०६ ॥ **८क्ट्या कोन्डम थाईटइ शाम।** cकर एकांधति शांति एक होन ॥ त्कर वटल कांत्र दमिये गुर्भ। ভাষা ভৌজনেতে না পেরু স্থথ ৷ श्रमिश अगठ लाहिनत करि । **। निञ्च कानत्म कृतिश राम ॥** यांकेटक यांकेटल कारक गाउँ वारक त्याहिन नम्म नद्दित भाष्टि ॥

--

হায়রে বটের গাছ কিবা মনোহর ! উচ্চতর বহু শাংখ প্রশোভিত প্রশার । কতলন ভাষার স্থানিজ ছাহায়। আতংশ ভাশিত হয়ে শরীর জুভার । বিভারিজ তক্তরণ মারাকি স্থার ! आमत्मत् कांच करत निकाशिका । रहतिया **इरक**त म्लाङा हतिय अखर्टा विमान क्षांगांत्र व्यटम लिक हे लेवत । দেখিফু বিহল কভ বুসিয়া দাংখাষ: भागुभव ६८म स्यो अन्तियेगांक ए ह (कर बाह्र कम (कइ (कनाह पूर्व कि রজাবর্ণ ভূনি খণ্ড কলের রজেভে। কোন কোন পাথী ফর করিয়া হোষন। मबुबुत सिनाइनहरू स्टूडीय सदस्य रिकटिल्ड सम्भागमा मधीतन कांग्रा পরশে সরুদ করে সন্তাশিত ভার ঃ হেৰ বুলি আবি। সম্ভপন জালায়। লুকায়ে রয়েছে ছিম বটের ভসায়। এসন স্মতেল হার অন্তবে বীহার। नार्दि इय केल-८क्षेत्र केल्डिय सक्काद ४ একি অপরণ ভাবে মগ্রহন মন। ভাবে বুরি দেখিলান জাগিয়া অপন এ मग्री थे के जिल्ला का दर्शित संग्रहत। विष्टा की कांबली मानान व्यवस्था कतिलाम द्यामी महमने तर्थ कार्य देश हैं। कण्णमा चेट्छक कार्या कविम मानन ।

्कि होत रेलयध माथ ट्यामात र एकितः কি বা ছার ইংরাজের বাশীয় শকট দ किनियां कारलक्षिक-गाँछ मरनद भगम। মুহুতের করিন্তু কত দেশু পার্যাইন 🖟 अक्रान्त रह काम शृंदर्भ करत कि नर्भन । अथरम रम मन रमरने करिन् समन्॥ আক্ষীয় বান্ধব পারিচিতজন সমে। আশাপ করিতু কত পুলকিত মনে 🖟 পরে যে দেশের সাম শদিলাছি কালে: **डे**ड़िन भाग्जतथ (महे जर इतिम ह टमिये कछ दमस्य कछ दमाछ। महसारत्। र्वानर्ड समीर्घ हरन आयु करमदत् ॥ তাতএব সব,ভাষ করিয়। বজ্ঞ 🔫 🎮 কথাঞ্চিত শোলী হৈথা করিব বর্ণনাঞ

यां के उन्हर्स श्रीक देव कि व्यक्त ।

क्षिणिक नार्य अक श्रीक कृदस्य ।

नवारिन काल हार्य कृदिस श्रीकाम ।

कृतिमास कार्य व्यक्ति क्षित्यहरू नाम ॥

दिनिक व्यक्तिमास क्षितिक क्षित्र व्यक्तिमास ।

कृतिमास व्यक्तिमास क्षितिक क्षित्र व्यक्तिमास ॥

कृतिमास व्यक्तिमास क्षितिक क्षित्र व्यक्तिमास ॥

कृतिमास व्यक्तिमास क्षितिक व्यक्तिमास ॥

कृतिमास व्यक्तिमास क्षितिक व्यक्तिमास ॥

ব্রয়েছে অচল ভাবে অচল উপর। कैं। त्रि हिंद्र थेत थेत शहस मिश्हमात । জল@পাতের তাহে তীবন বিনাদ॥ क्रिशोग गोर्काल करत गडीव गर्काम। ८कोथाय क्**रुक ८वटन कटत शेलो**सन ∦ कोथोग्न महिच मटर्भ नित्र मोग्रोहेश। বিদরে মেকর অঞ্চ বিষাধে ভাড়িয়া टक्यांत कड़ारा ७८७ धंगढ यांत्रन। ভালিছা শাখিনী অগ্র করিছে ভগ্ন কোথার পর্বতবাদী অসত্য-মিকর। শিকার করিছে বনে পশু নিরম্ভব B कमर्या अर्थक गांदम खर्थ जांदा थांद श्रुष वटन श्रेष्ठ रम वर्गभा करते हो है। इयरनत जिल्ला नरह माहि तया वांत्र । क्षित अगंडा मन कतिएक मिनोम ॥ ज्थांत्रिंश जिल्लांत्रित मञ्ज करते क्य "मन्योनी आमात कारहे देवान् देवते। एव रहम तृत्वि अक्षारे**७ माहि का** है है। करतर्दे आहेरिक जार्य जनकार्य प्रथी ॥ चारक छथा के एम कार्टन कर्जीय चमत्र ! भारत भारत हरी भी। स्वरंक आकर प

আর লৌধ লপত্রপ পর্মত উপরে। স্থান বেশে ছব ঋণু সৰত বি**হ**রে 🛚 ্কাথায় প্রথমতর দিদাযের কর। **हरू हेस्र ब्रह्म कार्टे निर्दानकरणवत् ॥** কোপায় বসন্ত করে নয়ন নাহিত। প্ৰচাক **কুম্মনা**তে হতে **প্ৰাভি**ত । नियाम स्वाप दकार। कुछल धानाटम । cotes विश्वज्ञातात्व extशिक्ष स्वारिक ह (क^{रश}ाह नवसांक वात कांद्र वाहत । कल পরিপূর্ণ করে সরসী নিকরে । जोरह कक्षामिनी कुरल इर**क्ररक ग**मल । कल कम मोरन जल इरछर इ निर्माण ॥ क्षांचात्र (स्मल त्रा निनिद्धत कटन। माजाम (मक्त्र अन मुक्जांत करल । नर्त উएक् व्यवस्थिति-स्पर्धानकत्तः। धरम जुरारत मना आक्रांनिक रत । क्रयरमञ रमाजा स्ति मारिक क्यांता। माहि लाट्ड विद्वि-निव शामनाव्या ।: मर्तना दवित केंद्र खेकरत के द्रारक । रगारक गुज गड देखरहर रगामारक ह CET ATTE OF THE PARTY OF THE PA

एक्सिंग दान जानि एतिय असुरत ॥ भवज्ञात संघ करत गजीत भक्त स। **हमस्क विश्वलि वश्रमिमोरन छीवन ।** চাই চারি পাশে ভরে কন্টকিত কার। সম্মূৰ্যে ভিৰ্ম্বত শোভে বিচিত্ৰ শোভায় ॥ त्रिक अरमन जुम-न्म-गितिगरन। कूर्गम त्यमम कुर्ग आकात त्रिकेटम ॥ .তার অভান্তরে শোভা অতি মনো**হ**র। निर्मान मलिटन भून कछ मद्योवत ॥ गांगम-भद्रमी अहे करत यालगल : প্রাক্তিত তাহে অর্থ মরভী কমল। নোকে আঁথি জনাজ্ঞ সর্ম্য শোদাম। त्रवा वास्त्री श्रीत भराइटह सत्राह । जारक अहे दबरन कड भवन क्रांनन। (पोक्टिक कञ्चती मृश तक कट्ट श्रेशन ॥ गान इप्रकेश्वरित जाल जानकार्यन । मीर्याकन क्षेत्रक करे कडिए समृत्। केंद्र अभिन्न एक दर्गावय नाका व टक्ट क्लाटक दक्के दक्का करत क्लाकात ॥ · विकिष्ण को से से से ब्रिया के कि देन । PINTER NIPAR BINGIA PLB.

अक्षां ९ दिशा भी दिवें शर्निक विश्वतः। শোতে শ্রবর শিরে অন্ত্র তালর। भवन भूरभन चाण्य खर छत जाकाते। উঠে করে মত্ত্রদে সুগদ্ধি বিভার ॥ 📜 भूरतां बिर्फ गञ्ज शिष्ठं करव हे देक्रः खरत । मैं। इंदिश दमदक हमा त्यांक कति कदह ह कांट्य ब्राज्यन सारद मट्य उनश्र । नित मनि छक्ति होति करत नमकात ॥ ८ इ कल्लारम । अहे दकान् स्मर्थित चत्र ? "লাগার" মন্দির খিনি ডির্ম্নুত ঈশ্বর # रिस्ता मृग्नात स्वय स्वी श्रक्षांकरतः। arri क्षेत्रक महत्र श्रृंका करत महत् ॥ विश्मण्डि वर्षीत्र अक पूर्वक क्रमण्ड न्मस्रीत रहा सारह खटडर देव । करन करन कारकत चुरुष्टे एक काला। इंड कूरन धामबंबा करन रम जिलाम ॥ वर्षे वर्षे नेपद्रमतः भूजनीतः कुल के लेक कर् पर्य कि बेरोज सकत्विन हम यो क वास त्या बेहेला यह जिन्हें हेशा है। मांहरत विदिश्य अत्र दहर महिकात है Trailers Are stell non-cent

ভক্তি ভাবে পুর্দেষ্ঠ কার সেক্ষেত্র চরণ ।

অসমি মুখক একে পিথারে মড়কে।

অনেরে বসায় সেই ঐশিক জাসনে।

এতেও লোকের জাত্রি না হয় সংহার।

অবর ভাবিয়া কাছে জানে উপহার।

এত নেমে ভাহানের শাসুকৈ বিশাস।

খন্য কুসংক্রার কোরে সাব্দি সাবাস।

सन्दर्भ श्रवति श्राम सहतम् (माण्डि । धारामिना हीन हीर्यतिनीत महिल ॥ विद्यास (माण्डिल, जुक धाहीत दिलेत । जूत यथा कास्मिकास तसनी मयत्म ॥ भाहि छथा श्रीस शूर्य महामीनिकतः । माहिक जुवानां जुक सकत (मण्डे । गामिन गांचन महमा द्याहिक पि विश्वन ॥ भागिन गांचन महमा द्याहिक पि विश्वन ॥ भागिन गांचन महमा द्याहिक पि विश्वन ॥ महामा 'मनजारम महामा होता । तक श्रितास मन महामा हेलाई। करत मामानक । श्रीक निरम्भक बोहांत ॥ वाभिना 'बाकांत मना केलांक अहांत्र ॥ कृषां क्र सिंद्ध स्वरं, जक्त बरमं ॥
" कन्छ्नम् '' श्रीका निश्च धर्म नात ।
विराय करत्र हि सिंद्ध महान श्रीका ॥
अगम स्रामं मार्था कृष्णांकांत्र हात !
स्रूचम कीचे मृना मिरम किरकाशाः ॥
श्रीक्ष्मा श्रीकांत्रभा कीरम् स्वर्णात ।
श्रीक्षमा श्रीकांत्रभा कीरम् स्वर्णात ।
श्रीक्षमा श्रीकांत्रभा कीरम् स्वर्णात ।
श्रीक्षमा श्रीकां किया करश्री कार्याः ॥
वाहांवा वाहांवा किया करश्री कर्णमा ।
नावश मक्ष्य नाती स्वर्णा कि घावमा ॥
विश्व श्रीकां सम्मा कार्य कार्यंत्र क्रूजांत्र ॥
विश्व श्रीकां महा क्रमा कार्य कार्यंत्र क्रूजांत्र ॥

नारम कान जाजा कर गरत एक गरवण।
कातानम्बानमी वनत्तत्त प्रमण ।
विकृत्यक कात्रका लाका नाजिकातः।
विभाग करनी मान त्या,वाधिकातः।
प्राचित्र कानात्वित्र गित्रम मुण्य।
प्राचित्र कात्रहरू, जाता मर्नाद्वत् क्षाप ॥
क्ष्मणारी कृत्रम्य व्यव विकृत्यतः।
व्यवाद्य अथवतः कृष्य विकृत्यतः।
व्यवाद्य अथवतः कृष्य विकृत्यतः।
व्यवाद्य अथवतः कृष्य विकृत्यः।

र्यादर्क शक्तिर शक् अनदाति। दममव नर्दम स्टब्स क्रान्त । स्थापन । "इ.रक्षण" "कःत छूडि "मानि" सकति निकर । ষত কোন পূৰ্ব দেশ নাং হোক ক্ষানো [अक्डित रहरण कांत्र कविडांत तरम । श्रद मा श्रद मा सूची सांगांत स्वतः। थरलड़ त्यीहरर बल कथी त्नव। इय क्ष्कृतिभ मन्द्रकद्व अन् अन् अन् अत्। ट्यार बढ़े मान्यत्त् अवन् विवत्। অরণ হইলে তীব্র দংশন ভাহার। বিষ তুলা লাগে সেই মধুর ঝকরে॥ साय घड अरमरामद्र द्वांचा द्वाना धारम उत्यक्तरण करत बांक्रियन ॥ विनामिन ভाরতের फेटा हे यदन। वाचित्रा शोष जो इस्केखित स्तर्भ। ८क्टब्रे खांबीमका-धिशः महाख-ब्रक्टनः। श्रुविम नार्भिम रक्षत्र क्षित्र श्लोबटन । न्हेन जाशास्त्र यक आहित काका। नटम मिन चौनी मर्छ। खम्ला द्रस्त व नन्तिका वाक्कियं द्वारमह अकातः वर विश्व : क्रूटिंड " एम क्रोत्र एक आक्रोत्र ॥

·কির জাথি! কাষ মাহি ওদেশ দর্শনে। কেথনী দূষিত হয় উহার বর্গনে র

अञ् दूर मिल्टन काथि गाँव राप्त शहा ! . विरंगे छात्र कीर्ग (महिला) थाति a क्यानात्र **जाहात्र टमहे द**र्मा के अलंकर्य ! ं दरत बाहा डेयनिंड जीत-तम कृष ॥ (काथ, (मई कविडांत नद्रन अनिड। ^{*} বিচিত্র মান্দির যাছে দাছিল চিত্রিক চ द्या । अटब ट्रस्टब खोत मिलम नर्म । महार्थमा मक्ष इह का हा व जीवन ? जारपान धारमान गड मशीकरणन। अर्जान-णिकाक करत दर्माध विषात्र ॥ अवन कोरलारक जांत महरू देखा मिछ। कूषन उडडी जारक आह्र जोन्हों निड । हिंद मा (बर किसार्शक कुक्क मनने। भक्तिया मिलिट्ड जाता छेथेटल भदन क हिन छोट्ट मधानती स्वरी खडिल्डिं। THE PERMIT SCE TERM CONTRACTOR THEFT ्या विक वृत्रियक्त अब त्यसीत्रका

वट्डे नवावर्षक्त कविट्ड यडम। उद्योतिए कोलयूर्य शेवित ७२म । ⁺कक ५+डे ८७। या एमर महाय ७ ४० न्तारमव की खिंदि । सार्यात समझल व राहकत दिलाम् या या करितिकार । मानाय मिश्राम कोल निका विश्वमा प्राप्त । र्राक गढा महकारत कतिहै। एउन । কৰ প্ৰকার সেই প্রতিম। স্থাপন ॥ कलाडीय शत श्रीय मनाउद्योग छ। मकिनान नटल राम्या करव द्व कि ॥ रश कामश्रेष्ठ भाषारक, भेक कुमश्रीरहा . कांगड (मनीय यम भाग्न डेलांकार ॥ अमब क्टेश (नरी निरंद नव प्रांम : जुरलाटक रोड़ित छत्व अमल अशोम ॥ --

यश्च साहि छोत्रराज्य कुर्जातः मर्गटमः।

२ठां ८ अपूर्व्य यह गर्मिम स्वद्यतः।

५नियाः महमात्रय कोत्र हात्र होतः।

५नीज भूनकात्र व्यक्ति छनाय।

रक्तायात भूनीक् रम्ब ध्यक्ति छ्वतः।

रक्तायात भूनीक् रम्ब ध्यक्ति छ्वतः।

रक्तायात व्यक्तिः।

বোষার সীনের শুভ স্থালিশে এক। শ ্ কোষার বনের রম্য জাঁকের নিবাস। কোষার ডির্মন্ত দেশে প্রকৃতি বাহার! হার কোষা ভারতের দীনতা জ্ঞাব। না হেরি নর্মে জার সে শোভার লেশ। ধরিল প্রকৃতি যেম জন্য এক বেশ ম

आमिरक अहत्व अहतम्वीमिनतः : भनाभनि करत भी उ भारत मरना इत ॥ गाँका बाका विशासन करें करत. इत । " एल इनि (नग्न नार्श खनरन यहूत ४ जांदर्ग शीदङ् कांद्रम इस्म निख दगरम् । कड (यम भूज विक डोहोर्स यम 🗓 👑 ज्ञमन भवरन किंवा बरनोड्य स्था कांग्र के व्यामित्र "गिष्टिन" अहे ब्राडेड फलाह # हक्क भीरण अरम कूरम करतः समक्रात । निन्तुत देखलाटक अक्ष कार इन्हर्मकात । ब्रुट्थ ब्याटन शोक्ति क्ट्र ब्यामिट्य जनीन। शांविधि छोत्राक मात्री भरक्ष क्यम ! ्यातनं स्ट्रेशनः उपनीतः क्यानातः। 🔧 त्तारकः संकृते वसलेकरकः विदयमः निकातः « र्शाहरत करिय किन्तु करन वर्षने आहे.

[65]

ভারতী রমণী-কংঠ হইবেদ তার ।
করিবে অঙ্গনাকুল শাস্ত্রের আলাপ।
ত্যজিয়া অলীক মিথ্যা কলহ প্রলাপ।
কবে তার কুআচার করে বিসর্জ্বন।
ভান সমাজের হবে যশের ভাজন।
যত কাল লা শোধিবে নারীর আচার।
হবে না হবেনা দেশে মঞ্জল প্রচার।

গীত গোরে নারী অই করিছে তান।
কোন দিন ছিল এক রমণীরতন ॥
বখন আছিল ছার বাদ্ধনের পালে।
পিতার আলরে কিব। শতির দিবাদে ॥
নাজানি কতই সথে বফিত তখন।
ছথের বারতা নাছি জানিত কখন ॥
হার ! ভূনে বফকের বচলে মধুর।
তাজিয়াছে বাদ্ধনের মেহমন প্র ॥
কোন আনে বিষপুর্ব নির্মার ।
বেচেছে বঞ্চক তারে হার হার হার ।
তারে প্রতারক । তোগের বিক্ কুলালার ।
নাজে কি কালে ব্যার এক অভ্যাতার ॥
নেপ্ নেশি জনালার আকি ক্রমানা।

কাৰেছিস্ত্ৰ ভক সমূলে বিনাপি। विष्ठा ट्यांटर वरन किष्ठू मन माहि यात। ছার মথে মন্ত ভোর জীবন অসার। অনিতাই ক্রিয়পাণে যে 😜 বরন। काशीनक। इस टमई जारम कि उसन ? **८६ दिशां ७: कर्न ६८२ करू**ना ८७। मात्र । হবে এন্দর্গীর মুখ ভারতে প্রচার **।** करत मांजी वावजांग्र इंडेटर नांत्रन। करत रहत नव सर्प्त फान ऐफीशन ॥ कर कर अमारीय मना विस्तादन । পূর্কে কি আছিল কিবা হয়েছে এখন। निर्मिष्ठे योगित स्नि नाहिक कोपांत्र। ভাড়া বেঁধে ভিকা মেগে বাড়ী বাড়ী খায় ৷ কভু অঞ্চ পাতে করে শোকেরু প্রকাশ। कडूव विकृष्टे चौरमा बहु बहु सम ॥ बरक मेना कडू नरह मीतव तजना। **(मर्थ बाँही लिंडि डांहा कहा स्मे**जीयमा ॥ চিত্রিত "ভেনায়" করে অল আফ্রানন। উক্ত কাতের চুরি করিতে সারণ। गांचिएक कृष्य बात गांकरक मनाह । 'दर्ग रेक कून कर्न बृदक क्रारंत कर्म निकास ।।

কৰে কৰে গান্ত গীত মনে যাহা লয়।
পাগল নিশ্চন ওটা তাল কছু নয়।।
লেখে এর তুথ হল বিরস অন্তর।
ভাবিক গোলেন রবি অন্ত গিরিপর।।
ভাবে বুলি তুরবছা নেখিয়া ইহার।
ছংখেতে বিবর্ণ হল তপান আকার।।

গোগুলি হইল শেষ তামদী আছিল। व्यमितिय प्रमानिश किमित्र शृतिन ॥ किट्ह डेव्ह्यटन मार्टि व्यनन मगानः সলসে "আলেয়। পুন হতেছে নির্কাণ ॥ कि भेगार्थ इस किया श्रक्तकि डेश्रोत। খানিতে বাসনা বড় ছইল আমার। किन ये देव राजानि होनाई हत्।। उठहे जारलग्ना मृत्य करत भनाग्न । क्रांख रहारह त्मरव करत विदक्ति श्रकाम । किविया हिन्सू प्रार्थ स्टेश स्टाम ॥* याहेरळ का करी दश मारहति वर्धन। **क्टनटक आंटलम्। शिटक् कडिल्ल मर्गम् ।** यक क्या व्हाल जानि मांकवि अपन एक दहरा। एक अर्था दह स्टब्र की अपने ।

দুখে ইছা হল এই ভাবের সঞ্চার।
বিষয় সপের মত প্রাকৃতি ইছার।
কেননা বিষয় স্থা যে করে প্রথাস।
কেই স্থা ভোগে হয় সালনা নিরাম।
প্রক্ষার্থ লোভে বেই করিয়া যতন।
দে স্থা ভাজিয়া করে বৈরোগা ধার।
সমানি বিষয়াননা হয়ে ধাবনান।
আক্রেন্ করে ভারে 'ভালেয়া' স্নান।

নিশি আগননে যত উলুক পুলুকে।
করিছে কর্কশ রব সনের কোতৃকে।
শুনিরা পেতৃক রব রননীনিকরে।
সোঁটানার নোঁটানার কহে উট্চেল্ফেরে॥
ধন্য কুসংস্কার কোর নহিনা অপার।
ধন্য কুসংস্কার কোর নহিনা অপার।
ধন্য মানবের ছালে ভোর অধিকার।
তালে তার কাছে সলা সেও জিয়নান।
তালে তার কাছে সলা সেও জিয়নান।
কিশিত অরাভিন্স ভীবে অল্প কাছেশ ভার।
দ্রুর হর্তাক সলে জনীবেই বলে।
দ্রুর হ্রাক সলে জনীবেই বলে।
দ্রুর হ্রাক সলে জনীবেই বলে।

কৃষ্ঠিত যে নহে সিন্ধু ইইবাবে পার।
কুল্ল নাসিকার ভাকে গতি রোগ ভার ॥
এহোতে আশ্চান আর আহে কোবাকার।
ভূতে পার বনু লোকে নাহি নেথে যাবে ॥

গৃহকর্ম গারি হয়ে ইরিব অন্তর। वटमट्ड अकटड अरे तमनी मिकत ॥ ंक्ट होटम **क्ट उंदि**य मंबूत कथाता ভাৰুন ভোজনৈ কেহ লাবেণা বাড়ায।। किन्छ। मि डिमिरित निनि बर्म अक्नम । त्मरथङ् कि e विक्तितं वपुत वेषम ii 🕆 বলে এক নায়ী সহী সৰ তার ভাল। किन्छ किन्नु गर्फी गर्फी वर्गरामि काल म আমাদের বনুটির পৌরবর্ণ ভাই। (क्र वर्त वर्ते बर्ते किन्न नाक नारे ॥ करणह को दिशी गंड इन कंड कटन। गन भाग मकरणदा कुंचन वर्गरम ॥ क्ष्म बटल 'किएम' ही त (यमत स्वर्भ) अमन द्वमत छाउँ 'दशकिता 'क्थम ॥ रोहोत हिटक्स शकु थक सर्वारह ।' '' म शिव बाक्षिक मेर्ड देक्यम ज्वास व ॥ ' मात्र मात्री बरण आहम वंड अलकान ।

्रीकमिटव निक**रण शक कार्यिमी**ण स्रोत ।। बल अक नाती दृःस्य जोश्यि। विश्वीतः। र रम प्रतिम नाहि इंकिंग धौकांग ॥ কত সাধে গড়েছিলু এই চক্রহার। 'शाहाल' करतरह छोशा निर्मश्रम (सोमार । शह क्लोबमांकूल । এकि अनगर। ছার বা**ছসাতে এত কোনু** গ্রহোজন ॥ अद्धत **क्यर्थ भना यत्र कत** महि । ইহ্কাল পানতিকৈ লাবে পুৰস্কার । यनि कोन रहा इत राश्व नियान। क्षा नेना इतन कांत्र (कंकरत वांधान ! क जानरत दल सिर्व मार्थास्त्र कन। কেমাৰতে অভিহিতি সমুভূল । क्कियां भट्ड शक्क्षीन क्ष्यरनत पता। त्यांनरत कार्ष्ठ भरत भून भागभिकत । অভগৰ বলি লগা হে অলমাগাণ !-चुर्य का जिल्ला कर विकास से पा চাড়ৰ ছাড়ৰ ছার রপের গরিবার अवान अवान नमा कारमह परिया । प्रकारी कतिका उत्त नंडर मनामा मगाको मीक् ज्ञात माजिबी मगाम क

किकांग अलीकडाउ धन विमर्कन। मठा পडिखाउ कर मनमबर्गन् । शांक्टिइ तमनी अहे द्वारत दक्ता करित । কহিছে সোহাগে কথা শিশু মুখ ধরি॥ ডাকিতেছে **" আ**য়ে চাঁক **আয়েরে লড়ি**ই। : भागा क्थारन जामि यात हेकूफिशा" H है। कर खास निख **छेई मूर्य** हो ग। শ্ৰিত্থে কত হাসি থান পরে তার। करण पांच्य करन चर्च करन दमन जान। य त्व वारा कार्या करव वाक्यां है। भास ॥ कर्ण भरतियात सूथ कर्ण थात काता। मृत्य जार जात वांनी मांगा, माना, वांता । < तिहा निरुत अ**हे जामनः अ**भात । আগমন স্মৃতিপথে চনান আগার ॥ जनमोद्धारमुद्धः भूनं बहद्यद्धः यथम । 🗀 **चित्र रमभक्ता अटक मनक्षः गाउन ॥ 🔧 🐪** भंक वर्ष क्षेत्रः 'ट्रम'व ' **एकेल** 'क्षार्क'। करति । जारन कोरा "पूर्व शहक महत्र #-करवृद्धिः विकास वाच स्वयाः देशवात्रः। १११ . To fee me met ment metern . ना निर्व देश क्षेत्र कार्य त्यार्थ त्यारा प्रथम ।

ংঠাকিড মধুর রবে ছুরিয়া যখন ॥ क्लिम। (म छड़िन्स मान अर्थनान। द्धांचन उछाल छान जाहिन मग्रा प्राकृत मखान इत्य ग्रङ्कि रूथन। কৰুব: চপ্তালপুৱে করেছি বহন ॥ হে অত্যত্ত পুজাপাদ প্রিয় সহোদঃ ! क्ति मनाज्य मत्न यथः मर्हत् ॥ এরতে সপন ছিল একতে শয়ম। अकट्य कांसरम रहारह करवृष्टि अन्। প্রকৃতি দ্বীন বেশ ক্রিয়া গার্গ। कतिङ (माहात्र कल नानतृत्रक्षम ! এই যে অপক ফল অস্বকা নায়: विङ्क्ति उपायान वाल-ह्रानाइ ॥ वाशिया दरत्यामा अके माथितीत उटन। ग्रेटलंडि वा मिडेक्टिस के कुडूबरन म श्रमकोष्ठ गरम कुछ इति व भरम। रहार्गन करब्रक्टि कक्ष सरकात गृत्य **।** दनप्रेय कि दबरमुख्यांका मुद्रवर्ष्ट रुगोरिंग्ज । त्कर <u>त्योत्क क्ल</u>क्कालका <mark>त्वाह सक्र</mark> विक्र मैरिक् देव समित्रक अर्थे एकलेक् का भी दर्ग ।

स्थारः वि भिषित्तरत सम्बुद करिय ह

किंक्र करः वक्षाधीय-किंकिरत मर्मन ।

करविष्ट न द्वार तरण पीट्स भीजायन ॥

एम स्थान ! तानानाम स्युद्ध प्राथित ।

कर्षन कि के करन स्वाप्त प्राथित प्राथित ।

करिए कर्म करनाम स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त ।

करिए कर्म करनाम स्वाप्त सम्बद्ध ।

करिए कर्म करनाम स्वाप्त सम्बद्ध ।

करिए कर्म कर्म स्वाप्त सम्बद्ध ।

भाग कर्म करिए प्रायं स्वाप्त सम्बद्ध ।

भाग कर्म करिए प्रायं सम्बद्ध ।

भाग कर्म करिए प्रायं सम्बद्ध ।

भाग कर्म करिए प्रायं सम्बद्ध ।

करिक्ष कर्म स्वाप्त सम्बद्ध ।

करिक्ष कर्म स्वाप्त सम्बद्ध ।

करिक्ष कर्म स्वाप्त सम्बद्ध ।

আহা বরি নিশি বরি মনোহর বেশ।
প্রাকৃতি সুচাক কপে শোভিছে এনেশ।
ক্রিটেছে শশাক অই স্থনীলগগলে।
সম্মানক শৌজা ময়ে কলক ভূমবেণ।
ভরাগের রাজ্যাকা কিবা নান্যায়ের ক্
শারেটে বাহাতে, বুলা ভ্রমার কর।
ক্রিক ক্ষা করে।

त्माट्ड कड को है एस निर्मत की बरमें। विद्रार्ग अडीत भव एकेल विद्यांक श्रुभि मां ज क्रमरकत ना निकास उ^{न्हें ।।} गर्भ भारत वरम करव विकेटण र किंग इत डार्ट् विकिश्त काक मण्डाना खावरने खावरने रमने कुल कुल खन-व्यक्तिकत्त समग्र छे बता। कानमा मर्मटम एक एक कि कि कि कि উপলে ভারুক জলৈ ভার-রস-কুপ ।। কলতঃ কবির যত নিশি সুস্ময়। रैनवरम जोनन्स ए**ड स**् इतं छेन्छ ।। टक छोत्रङ्थि योङ ! दल.८गंः निर्देशन ! जोट्ड कि क्षता उद कदित निर्माम করে কি-মিশিতে ভারা কবিতা রচনঃ শ্বভাব সম্ভাব রচস পুরায়ে বাসনা।। हिल वर्षे श्रीताकारण श्रक्ति (इयांग्र) উজলিত তব কাল কাবোর প্রাকায়।। श्वादत अमन मिन करव स्ट काव ! হইবে ভারত পুন ভারত জায়ার। वाष्ट्रहित वह्नभूक कविकात मन বিভরিবে ভবভূজি ককণার রস ।।

दम्बिकाञ्चनवांमी श्रापि देख्यांश्रन । श्तान भक्ति। जांब छुबिट कोवन।। वान्तीकि अटमटम श्र्म कहत आभगम । गारव कि लिन जारम भी न दासाएल । कटर कि ह् युनांगत ! श्रम एम मध्य ? र जुदा काँ निरम राम साहि कालां पहा। ধাষ ! বুকি ভারতের লাহি আর হিত निश्वां छ रुतियु ८५८३ विश्वारमत ती छ ॥ **ेहे** य गर्बिड यंड विराह गीतियात्र । करकरक कहिशा अन् वित्रानश्य रोह ॥ भारे करत सानानिक दिल छेशंदनन। कारम खरम सिक्कटकत प्रभी कि विद्रशव ।। তথাপি ও ভাষাদের দেখ কি আচার। मन्यादेखां व्यवक्षमा कड वास्त्रित्ते ।। अगम विनाम नन का स्थापना হিতের সোপান কোথ। অহিত কারণ।। द्य विनाधिम इट्ड वट्ड श्रृणातांन। শত ওবে অশিক্ষিত চাসার সন্তাম।। विश्वाम दक कह जादत विश्वाम दक कहा। इक्क जनाम गांत इक्काल एवं ?

বথা বিষধর করি পরির্দ্ধ পনি। ভাগরে গালে কাল কডান্ত সন্থান।

-

रुठा ८ जम्रत ७ वि समयूत (राज। वर्षा मही ईत्न द्वि देवज्ञान व्याप । ংরিরে ভজের ফিবা আমন্দ বিশাল। त्यक नांद्रक शांध त्यक कटन त्यर काल व रक्षीतांक विनिद्धाः तस्य बुना गरिश गायः कांनी वरन ভक्ति, जांदर भवनी स्नाहे। म स्वित्राम कालीनाम कदिया अवस्। रेवस्थन कीर्खाम किम भारकात क्रकन । खनियु उरकत शास्त्र किंगामध्या स्वत्य । चित्रास्त्रम कृष्य कांनीक्षरवरण अकेरमरण ॥ धानर्दा एरत्नेत रहम बाह्य छेन्द्र । হইল বির্জ্জ মম তাপিত অন্তর ॥ প্ৰিন্ন হে ড্ৰান্ত হায়। একি তৰ বীত। জাত্বকরে বিভূবলা হয় কি উচিত ? নে বিভু করেছে স্ফি জগ্ত সংসার। त्य करतरक विराधकी हिं अनेह थांगत ॥

কপাটাভোগ নিবাসী । কানীসুনার একরাজি রিনামে থ্যাতহয়।

বাঁহার আজিবর দেশ প্রাথর তপ্স। विकारत कीवनक्षणी **उच्छ** न कित्रन ॥ निनि यात्भ मङ्कल यादात आत्मत्न। नाजरक नक्ष्यमंत्री स्वविगल व्यटन ॥ যাঁহার ঈঞ্চিতে ঘন বিবাজি পগনে। वक्षा डिव्हेंबो करत मलिल वर्षात ॥ (तथ अहे कटलां निभी शैषांत आंखांत। दम्बत कलन्दिन मिन्न श्रीम बात ॥ यात वाटका ८एमबीड श्रीमन गण्डन। गक्ष ल निकृत्य करत विश्रप कूष्म ॥ वाहरत जारमान क्षेत्रक मुख्यता। করিছেতে সকলের শ্রীর শীতন u. थांत्र राटका विषयत अञ्चल छेनात्तः গাভী ভোষে স্থার্সে মানব নিক্রে । দেখ ঈশবের কিবা অন্তত শকাশল। . मत्व मगर्डात्व मोद्ध वित्यंत मञ्जत ॥ **এই यে পাদপ নত প্রবভ্রত। এই यে कांगम मारिक यहांक श्रीयट्रेंग** ॥ वह त्यं त्यां किएक त्यां या या मामामाता। अहे दर गतनी भून एउन्ड कम्दल । এই যে শিখির দেখ কলাপ সমর।

[88]

এই বে মরাল মন্দ গতি ম নোহর ॥

ত্বিকল করে যার স্কীর্ত্তিপ্রচার ।

বাজীকর কভু নহে সমর্দী ভাঁহার ॥

তাত্তবৰ কুসংস্কার করিয়া বর্জন ।

ভক্তি ভাবে প্রাণেশের লওরে মারণ ॥

ভান উদ্দীপনে কর কলুব নাশন ।

যতনে বিভুর আজ্ঞা করছ পালন ॥

रम्ख इकेल भिष महर्षित मत्म । खवादमर्क हिनाम आमिषिक गरन ॥ याहिए शर्यत शार्म स्मिशा अजार। অন্তবে উদয় হন কত শত ভাব ॥ त्नोच्चिट्ह छव**ंक एक तथा छे**नवटन । कार्किन छातरक भित्र हुलाह् गंगरम ॥ মোহিত অন্তর অত্তরকের শৌভার। धट्टर्ड युक्त खारह श्यावांत्र श्यावांत्र। ल्लाटक मार्बिय गांव एक बर्मारत। লোছিত বরণ ভাছে পালব ক্ষার ॥ त्वाध इव द्यम श्रेष्ठ त्रविदक ज्योकारण । टेब्डिया डेटरेट्ड् डेट्ड् मिनटनत कोटन ॥ भौष्ठिक बबूल कूश खत्रमा लोकांम । **७क्ट**त मक्ती लां एक किल. माहि जात ॥-के दिन भक्त है तहा क्रांग छक पर ।

অভিনৰ রূপে তারা শোভে শভ শভ। মিশেছে একের ডাল অন্যের শার্থার। রহেছে নিরুঞ্জ ক**ত**রিকের তলংখ। সারি সারি শোভে গোলা বেতংসর কাড়। সাঠীর কারনে কভ হয়েছে সংহার। এমন ভূষণে শৌডে লমুদ্য বন। पक्ष नद्य दृष्ट जारह सम्मगरीदन ह বসিয়া পিক দম্পতি শাণিদী উপরে। নিকুঞ্ল গোহিত করে কুত্তুক্ত স্বরে॥ ভবিছে গোদাপকুল আহাবারেবলে। वोहिति कमना शून लुकाश यनस्य ॥ नाथापुण करत तरक नाथां। विशेषा কিচি মিচি করে করে ক্রন্ত বি**ভা**র । वरण रकर रवरिन जीता करत संकृतन। क्रि हिं फि मृर्थ शृंदत नवीम शंक्षत ॥ **८कर्वा आंगरमः लागि कृतिएक रव**कांत्र।" ८क्ट ज्ञारक नारक नारक भाषात्र भाषात्र ॥ अरब् एकरान ! मेर शब्देश टगटकह ।

इत्त कि अइमा नांक मत्मरक त्करवह ? अत्मरक माकन औष स्टेश अमेंन भागित्र रकांगारमंत्र कुल नीको जन ।

अट्टिशिक कूल ! अहे चार्यत मगग्न । बदाश क्टेटर नग जितकाशी नश ॥ निमाध-मोर्ख्य-जोर्य इनेटर मीत्र : ट दन। बुद्धम, अई ऋषेत्र ब्रद्ध ॥ কি ভাবে প্ৰামন্ত জাতি ওতে কশিগাণ! शामाल निर्माच द्वारका पुरिस्त अगन । त्र दिक्ति त्र दिक्ति और तिक्या चीका प्याप्ति । ्करल खुनकुर्छि भोख **इहे**रवर भाउ॥ के क्रम वृत्र कम (यातमा स्क्रोत । कारलत विकडे प्रस्त इस इस मात्र ॥ একণ্ড ভুদ্ধান্ত দন্ত করিয়া ধারণ। । भन्धारम करत कान मकलब्धित ॥ के कला कथन कारत माहिक निम्हें। ফুটিল কালের পতি বোধগম্য নয়। कथन धनीत धन कटत वीत्रमांट्य । नियुष्णन शरमधेत कार्तन व थेटार्थ !। সত্যের নগর ঢাকি, অজ্ঞানতিনিরে। विकारण अम्बा दमन विकासिहिद्र।। रवर्षात्म विक्रिक लिएक स्वाहिक मध्म । প্রক্রিধনি করে তথা পশুর গর্জন ।। गहन क्रांतरम क्रांशा त्सारक क्रोश्रगन ।

व्यांकर्षिष्ठ शेथित्कद्र दिन्युव-दन्त्रीहरू ।। ্রেল কাল রাজে। নর বস্তি ভোগার। इर्ट कि इरव कि उब औं गांव दमात ? राञ्चा 'उव वद्य अतः (धानमा मन्दर) दर्शवन करेड़ धमा लिहम अपरेश H. विश्वि उर उन्देशत वहन महती। अवर्ग र एंग्ड अज्ञाभ भविष्टि । বাঞ্চ তৰ ৰস সৰ। বয়সাসভাই। পুল্কিড কর চিত্রহদা কথায়। ৰাঞ্জা ভব ভূম জন্ম বিভিন্ন বসংগ। রসনা করছ তুটি স্বভোগ অলমে ঃ बाला उर बाज कर जनभा जनता। भित्रभूषं कत cकांच तका कांकान ॥* किन्तु अमक्त मूथ इहेरव विनय। অনিতা পার্থিবানন্ নিতা কছুনর। **दब्रमानम ! यह यह फ्लाटनन !** यज्ञान कत्र निका याथत जिल्ला ॥ श्टल टन विश्वक्षांनम् जनदेश विकामा। नश्रतिवहत्रहरू दक् कदत्र श्रीतिम । यथा चात्र जगिकत्रकद्र-व्यक्ता जां क्रांटन क्रिनिडांबटक जावक श्रेटनर्न ॥ जाराभंग व्यागम भगतम जशमं। लाएक यथा नीलाबटड अविक का अने ॥ किन म बाकार्य मंगी इहेर अकं म कतित्व जेक्क्व करत जिमित्र विश्रोग। বিভাৱত ষ্টিড হয়ে লক্ষত শিচয়। अक्रकांत्र मह इस शूट्य शूट्य न व ॥ (मने तथ हमाकान उटर छोडनमा पाळ। मिलिभिटत यार करत जा प्लापन । অনিভা পাথিব স্থানজ্ঞ মনান। उठितः समयोष्टतस्य (मार्क्याम n विक निजामिक हटा इहेटल विकास। করে অকলঙ্ক করে সে ভিমির নাশ ॥ অজানত। সহ কথ অনিত্য তথ্য। गङ्गतः अहमास्ति कर्त भनाहन ॥ ---

आह। मति । প्रथात कि मत्नात्रक्षन ।

न्छा करत प्रेष्ठ काए थक्षणीभक्षन ॥

किताप वर्षन्तार व्याप व्याप ।

के प्रथि वह स्राप्त के काथा मात ॥

प्रथात प्रथा प्रथा क्रित काथा नाम ।

विस्त्र मणिता प्रथा क्रित क्रित व्याप ।

विस्त्र मणिता प्रथा क्रित क्रित व्याप ।

अंदि करन हिन्द्र। (लग नमा श्रूरथ त्रा । বাডায় দিওল হথ দাম্পতাপ্রায়॥ (इ श्रीकानग्याति । यन वनइ आंभातः । अग्न सम्बद्ध नोंड निश्चित टंकायांह ? न छि न छि मर्छकीत गुछा भरमा इत्। প্রামত বারর চিত মোহে নিরস্তর। সরস ভল্পিয়া কত করে সে প্রকাশ। মুখে ফল হাসি আর নয়নে বিলাস ॥ < किकिनियुमे !' आखें। cstमः (मर्ग्डः कर्र्डः मर्खक मर्खकी क्रिडे छूरत कि आहा ? असांग्र नर्खकी नाटक मानज विकात। তোমাদের সুতে। হয় ভক্তির সঞ্চার॥ नकाय नर्खकी मना कामू (कह नन। ভৌনর। ভারুক চিত্ত করছ মোহন। हि ভোগবিলাসি ধনি। কর দরশ্ম। किहारत जारगाम हर्ड तकिमामाहम ॥ कि यथ उद्रक्ष जोतम अधिक मनज। রত কি পীর্ষ পানে আহে অবিরত **।** न हो नहीं नाहि छोड़ ऋष्टिक ब्रोम । तमा कड़िलिको भेटन मा कटन मिनाम । 👵 "सर्वाद**र्वेष" वक् कक् "क्वान" न**्थील 🕕 🤫

সাধারণ ভোকে তথা আৰা দৰ পাল ! তথাপিও অনুপদ দেখ দুখ তার। कि इति जिहित करित् योगम द्वारात ॥ कि वर्श किंगात रम भागक राजान ? ্সবন ক্ৰিছে ভাতে মধ্য প্ৰনে। खुबमा जनहरू बन कि सूथे दर्शनोहर ? 40 कुल्याम मार्च दम करन विहास ॥ कि प्रधुर रम उद "कानवांड" भीड । নিকুঞ্গায়ক তার গণেমল্লিড 🛭 कला के दर्जा कार्य द्वार के बार के कार्य । करुपटि उत्थ जात शर्माहरूकती ॥ 'ट्यामात ' अतिहमत " ट्याम भी भार मध्यात । विভাৱে मीडलका स्वांत्य डारांत्र॥ विनम्बत धनाभाग्र आहर ८३ ८७ विषय । बाधव अजाब कार्य जात व्यक्तित । চিত্ৰপট কি বিচিত্ৰ তথ নিকেতনে ? विश्विष्ठ ভातूक हेलाह्य मत्रमान । कि मूथ विভবে को ''आजरत ' ভোষার। नानिका महन (कारव कुन्यतम जाबाद । चनीक बार्टमार्टन मञ्जूषि निर्वेदवा विकृ ध्थानोक नेते कशित सर्वत ॥

মধুপানে চুলু চুলু ভোমার লোচন।
ভক্তিরন পানে স্থী ভাষার জীবন।
চবন নিবসে তব স্থা শেষ হয়।
সে ভাবে প্রকৃত হথে সে নিমে উদয় ঃ
অভএব হে বিলাসি। বলহ জান্তি।
স্থী বলে সংঘাধিব ভাবে কি ভোমার ?

श्वीद कि छाटा सम हहेल दर्शाहर । হেরিয়া অবেশকভক প্রত্ন সহিত। जुनि कि त्रं तमहे छक यात मनरमर्ग । पश्चिम। देवदम्बी लक्कांधादम वन्नीदवटमा ক্রিলা বা কত শত হাছাকার হুনি। त्राधवित्रहानत्त त्राधवरगाहिनी ह किन्छ जांत सर्कामल छत्। वाश भारक्षिता जुनि जीन धार्म ह्याह ॥ कदिना कि ভाकि जीटर त्मरम जाहात। रून योगम्दन योत जोरगात मध्येत ॥ उभी छल कहिल। कि विवर अमने। किया यूष्ट्रांश्ली जीत नग्रदमत जन ॥ रात्र अकि निर्मार्क देवसि छव छार। डेलको हत, जैनेको ते निरुद्ध संबंध

মত অহমারে পেয়ে হচাক ভূষণ।
দহিলা কুমুন গন্ধে তাশিত ভীবন।
সাধীর দাকণ শোকে ভাষিল না শোক।
তাই বুনি তব নাম হইল অশোক।

· ----

काहिट्ड प्रमानकत्रा करतरङ कुर्शतः করিছে সভার তুই ভবর সংহার। कृषिक मांत्रिका मूथ दिक्षे प्रिथिएक : উড্ডীন পাৰ্প থও আঘাতে আঘাতে # किन्न महीक्र उद् अकारण मारम। ष्ट्रांशारम अत्र जांत करत स्मीजन » कुलिएक भाषिमी अधा मन्त्र मन्त्र वांत्र । বোধ হয় যেন ভারে চামর চুলয়ি॥ হে ভৱো। করিয়া ভব ভাব বিলোকন। করিছু শিক্ষক পদে ভোষার্টক বরণ ॥ यमा रहोटङ अहै सामि कतिनाम नात। कतिव मञ्जूब महमः मित्र वावशायः॥ यनि स्मारत द्वार्ट्स दक्ष करह कर्नुकत । পৃথিক বচুলে ডার তুষিৰ ভারত 🚛 यमि दकर पुष्ण आर्टन करते अभिनेतः नगंगरव चानि छोत्र बांफोर्ट्स मान ।

क्षि क्ष्य करत त्यात भतीत शीजन। जेश महाश्रद्ध छोटा निय कालिक्स ॥ मि दिवस होरह शांद्र कहिए जश्हां है। व्योगि निव गाम जोतं वज्ञजीत होत म हैट्ड यनि टक्स् स्पादत रनदस- रांड्न। बांजुल एक ब्याहरू बल जात मध्युल ॥ যে হিংদে আমারে যদি করি ভারে দ্বেষ। **ভ**त कि जानात जाटा देखद्र विराध ॥ वित दन किकार्न स्पाद्य अस्त्यम छार। निरम्भ कतिव क्रक ट्रांभोत खडाद । हैटल यनि दशाम भारत कारकेश रम क्या निम्हर अत्योध (महे सत्योध**ः न**र्म । खारंग इहेटच मना फरां**ी लट**च फरांग। मिलिनिधिअञ्च इश्म करहे भीन ।

নথা ছিল এই ভাবে অন্তর আমার।
হল তাহে আচেৰিত ভয়ের লঞার ॥
ভরে হোরে অভিভূত কুরদ বেনদ।
রক্ষিতে জীবন বেনে করে পালায়ন ॥
এল বলি দাঁভাইলা বদন কিরায়।
পুন রড় বের পুল ক্ষিত্রে কিরে চার ॥

(मर्ड यंड शाहा अहे निविष् क्रीनरन সচ্কিত চিতে যাই চঞ্চল গ্ৰান্থ পুনঃ পুন: ফিরে চাই পাইরা ভরাম। भारह्या मार्फ्न करह जीवनविनां न कर्ता र अहल इस हक्षात प्रति। চাক এক সবোধর করি দরশন ৷ नामिल अनत्वा चण्ह महूमीत कल। त्मारक मथा भीतवार्ग सम्बद्धा **डेक्स**न म क्नीत मीगरस किया मिनत क्षेकांना। বেফিড জলপদলে স্বাংশুর ভাস। किन्ना मानि काम यथा को अन व वजन। ष्ठिका अकार मना क्यं मूर्गाउन u किया वित्रकृष्य क्रम श्रायत थावात । यिन नम्दन एवं शित्र मध्यात । দেশুটান্ত দেখাইতে বুনি নিরন্তর। ष्ट्र: शांतरना स्मार्ट अहे सूर्य महत्तारत ! गितिशीर्वं किया गरमास्त श्रालयम । সোরভে মেছিত করে প্রিকের মন। मेकिछ क्यूम बार्टन नामिनी निक्दा बरबर्ट वैश्वित किया अवनी उभव । र्ताष्ट्रा ग्रह जाना कुनामन्ति।

मूकूत मन्यं अर्थ जतमी-जीवत्य ॥ শীস মল করে জল *দিনেশের করে* গ শেলায় ম**রালকু**ল ভাছার উপরে 🛚 মপুর্না ভ্রমায় কত ক্সলের পোডা। প্রে প্রে ক্রে ভাছে অলি মধুলোভা u এমন পারতিরপে করি বিলোকন। নাছৰ বাহার ছিত্ত পুলকে মগৰ : কিন্তু সনুপম ইহাহতে নির্মল। मानममहमी कल अजीव उद्धलन ॥ रिरियक्ति क्वजाल (मनिर्माल अस्त। ममां करत राज भल श्रेडिविष ছ ल ॥ কুমতি শৈবলৈ তথা ছান নাহি পায় : সমতি দুবর্ণছংসী খেলিয়া বেডায় ॥ বিক্লিত ভগা ভালক্ষকমল। বিভুপ্ৰেন মধুতাহে অতি স্বিমল # इंडरत धामख कीव तमहे नशूभारम। গাওরে প্রানেশ তল ওল্ওন্ ভামে ॥ হেন প্রোমায়ত জীব যদি কর পান। क्षमत स्टेटर उटन क्षमत नेगान ॥ **এই বে সংসরি ভবি ছুখের আগার।** ष्ट्रित (जोमात कार्रष्ट् श्रेट्यत कार्यात ॥ পৃথিবী নরক ভুলা লন্দাটের বটে। কিন্তু ড। বৈরুঠ নিভ প্রেমিক নিকটে।

হেরে সরঃ হাথি-চিত্ত, বুন দেখে ভীত ছরিক বিষাদে হুলু মাঠে উপনীত। তথায় গগমে কেরি রবির প্রকাশ। প্রজুল্প হইল মন অন্তর অকোশ।

ভাৰতী ।

वाटित श्रवाद किना सम्पत ।
दिशियः तिरिष्ठ एन जान्त ॥
तमनीत ज्ञदेश (गोण्डिष्ट कून ।
खक्रदेश विशेष जानित कून ॥
यह कून क्रिट्ठ कार्गाण जाट्छ ।
तमिर्क नयन ''श्रव्ह के' गोर्ह्ण ॥
देशदेश होने। उठे रून युक्ति।।
व्योद्ध गर्म पृष्ठ भौष्ठित निया ॥
कत वाक्ति क्रिट्ट जूनद्य थानः ।
क्रिक्ट महे प्रति कार्याणान ॥
ताथाटन ताथान छ्लास ज्ञास ।
क्रिक्ट महे प्रति कार्याणान ॥
ताथाटन ताथान छ्लास ज्ञास ।
क्रिक्ट महे प्रति कार्या ।

ত্রমি খায় যাস উনর ভরি। - হাথা করে কেহ তুলিয়া শির। (क्ट एक्ट क्टिस् वदम नहीत n **७ हे इत्त यात्र क**तिश्र **त्रव**। काकाल वाकिता तमनी नव ॥ প্ৰান করি দৰে চলেছে ৰাড়ী। किनि राजामात लहेता है। है। কার হাতে শোভে ঘোড়। মাটিয়া। **८क्ट हरन स्मिछि निर्द्ध करिया ॥** कांत्र हार्ड व्यापे श्लून मारक। ্টুম টুনি কার করেতে বাজে **।** (करू करसे मृद्ध मधुझ न्द्रदेश। মরেছির প্রায় ছুন্তর বাড়ে। আর না লছব তীথের নাম: ट्न जीरा शरम दकांकि आशाम म हिन उथा अक हफ लामन। माजीभटन कटर करें वहन । (इ अवला कुल । े खनरइ स्थला ।' जीर्थतारण वल सार्व कि देशना में **जारव द्वा (मेर्ड गेरिस) व्हर्य**। टेमरम এउ क्या क्यां के महत्या न आंत्रिल फिक्क कथा श्रीना কওঁ মত দিয়ে বাকা প্রমাণ ॥ हिमां इस मांग खालक कारम । किरोटन शक्षर्य यूट्य त्य थोरन ॥ किञ्चत व्यशुंगत मनः विश्वतः। রসরকে সেই গিরি উপরে ॥ भोती महत्र मना विहरत । অতি সমাদেরে শ্রন্থ ঘরে।। হেল মলোৱন গিনি ভিডৰ i. उक्क इति मरिय इति यन्त्र ॥ পুর। কালে এই তীর্থের রাজ। (मर्डे मटहाबद्ध करत निहांक ! **বথম** ভাৰ্গৰ পিত আক্ষান। विनार्ग जनमी शंक्श पांच # মাক্ত বধে বাজে 🛎রে কুঠার। काथा नाहि होन मिलाह दौरा ॥ পরে দেই হ'দে করিয়া স্থাদ। कामात्राटम उत्तम श्रीकेला जान ॥ व्यानिन। जार्गक श्राप्तदा छोरत । क्षीवय यथा काह्य स्थादित ॥ यमा अवार्ष स्थारक स्था

, শারে অবহেলা উচিত নয় n रिया। महद्य कथा जला निम्हा। विमः हैं। तथ नदश श्रीना अर्थस ॥ ज़मोछ जोशंत मंगाव वार्थ। किमल जुलिएज़ किनोकि सौर्ग॥ ্জালেকে ক্ষম। অনলে বেড়।। अग्रही हक्तन **कुल एक** रनक्' ॥ প্রবাদ অগাধ জনবিভবে। ফাঁধার অকিরে-ছীরক জুলে ॥ এত राम दिन देहना भीत्रव। ल कांध मिल्ना इमली मद ॥ শুনিয়া দ্বিজের এতেক ভাষ। ু অপুর্ব ভাবের হল প্রকাশ। मध्येषि मत्मदा विलयु नात । ভবতীৰ্থে কাজ নাহি ভোষার 🖟 · अकानजीटर्थ यस हमदत हता। विष्टू ८ धीम यो द् विमल पाल ॥ हुछ दमहे नीरत जन् भगन। ভক্তি ভাবে শ্বর বিভু চরণ 🛭 🦠 पर्कि हरन छोट्ड दनह रकामहि। कान कारक रहन जीर्श कि होता।

প্রাণেশ চরণ করি মারণ।
বাড়ী পানে স্থান্থ করি গ্রন ।
কাড়ী পানে স্থান্থ করি গ্রন ।
কাড়ে পথ পাশে নোহে কাড়র।
তলার বেল।" স্থানর ॥
বসেছে দোকানী বাজার ঘেরি।
পালা জিনিসের লইয়া চেরি॥
শাভ শাভ কাড উঠোছে ফল।
ভরমুজ ফুটা বিলু সকল॥
ভরমুজ ফুটা বিলু সকল॥
ভরমুজ ফুটা বিলু সকল॥
ভরমুজ ফুটা বিলু সকল॥

लघू (होशन)।

स्वीमा मांगती, काश्वीक सम्बद्धी : क्रांश विकार्धती. कैं। कोरस कोरह ।

मिलिमी लडेशं, लिख आह निशा, जिल्ले स्टेतः

(मनांत काट्स ।

वनम मञ्जल, मतिकि छेड्यूल, करत नाल मल,

ষেমন পূলী।

काञ्च त्यांचांत्र, मन पूरत गांत्र, छेन् कि ठाराव,

कनक मनी।

पाहिक **मत्रम**, द्रश्चित्र। बंदन, त्याँकिट रूकम

9日本

दृत्थि विवि महत्व, भट्डिट्ड अवस्य, जोटेनट्स (क्य'-इंडेस ट्रंग ॥

ছুঃখি বলে ভার, নাছি অসভার, ত্রুকরে শাখা। বাউটী সাজে।

ংশ রূপ যার, বলহ ভাহার, ছার অলকার লাংগ কি কাবে॥

পীতি ললমার, কেমল আকার, ধিক ধিকৃ ভার ধিক জীবলে)

হোষে শিলাময়, • রেখেছে + নিলয়, শশুর আলেছ হেন রভনে ॥

পতিপ্ৰতি ধিক্, কিদিৰ অধিক্, ধিক অভোধিক বামন কুলে।

এমন ৰালায়, ধে কুলে জ্বালায়, জ্ঞানে কৰে তাং শবে সমূলে ॥

nimiT .

় পদার।

হার। একি লগরপ নারীর আচার।

ক্রিক্টার অধীন লক্ষা দেখি বে তাহার।

দেখহ দৃষ্টার তার এনারী হইছে।

এনেছে তেবনে হদী বাজার ক্রেখিতে।

নহত সহলী নাজার ক্রাজানে নাজন

32]

अभिगटन कोटक दनोटन कोटन मा अवर्ष ह किन्न (व अन्नभा बर्फा पर्वित जनान। रिकिष्ठ डोहोत स्मित जानिना प्रमस्मि ! ट्हिंत्स ए। शांधारिक कन्न महित **आक**ित। বর্মুপে যুন্টার মসন বিভার # বিৰুম হইয়া থাকে দত করি শির। ष्टलरङ थमिशः। भरत कोत्र**न भ**दी है। युक'डः नम्म छोक्। 'डोइडिननृद । ভাকে गांव "ठिठि" वन अवरण मधुत ॥ (योनदम हमनी बटडे आरखद आंशांव।' কালে এ সরম ভার থাকে লাকি আর ? বাষ্রোগে জকুছলে প্রাক্তি যেমন : करत अग्रहत नाट्ड क्यांड शीड्स ॥ बाका द्वारम खक्ष यूच दशीवरन बामात । শ্রীচার সে মুখে হার। কলহ সঞ্চার **৪** यथन कम्मरल एकार है नातीत दमन। रिडोरिड क्यांन डांत शंक कि उथन? मश्मात अभाव खाव कप्पट्रात दनाट्य । वक्क विदम्बन इस तमगीत दहाँदम । र्शनीत जन्म क्यं क्लंट्ड्ड ट्लाट्स । विश्रत क्रेजिन बेली विक् विक् दर्जादर ।

भीनः वटि लड्डावडी काशिनी त्छन्। निलक्ष भावीत रहि अधना जीवन ॥ जीवनीत कृषा यथा उक्षमा डेड्ड ल . मत्रभीत जुगः यथः विकष्ठ कग्ला। বসস্তের ভূষা যথা কুম্মানিকর। নিকুঞ্জের ভূষা য**া** কোকিলের স্বর ॥ বীরত্ব ভূষণে শোতে পুরুষ যেমন। त्महे गड तम्बीत नक्डाहे **जू**यत्॥ কিন্তু কোন্লজ্ঞাহয় ভূষণ ভাষার। नारतक रामभा जात कारा स्वित्र ॥ ट्य लोटअ कम्मल खोत करत निवादन : যে লাছে মুপ্রিয় করে অপ্রিয় বচন। त्य लार्ष्क करहार जो द (प्रत्यत मेर्होत । रय लारक बांतन करत शीन वाकितात B धमा वट्डे टमरे नांज दमनी पृष्ता रवादा पूर्व होका नारक रकान अरवाजन ॥ ् हिन तरक धरे जब जावि गरन गरन। शरथत मीर्घ छ। करम करशाशकथरम । বিশেষ প্রকৃতি তার অসীম ভাতার। भूतिय। त्रकृत कर्द्ध गोनम व्यक्तिय । होत्र छकि ब्रक्तिम द्व

[७७]

অস্তাচলে বুঝি ভাতু করিল। গদন। হেরিয়। মার্ভ্র অঙ্গ পাত্র আকার। অপরপ হল এক ভারের সঞ্চার ॥ গৌরবে বর্থন রবি প্রভাত সন্ম। कनिता डेवनि भूपं प्रिका वानग्र ছেরিয়া বালার্ফ রূপ বিহৃত্তিশীগণ। कून कून द्रदा रेकन: ग**ञ्च**नाञ्चल ॥ रमञ्चमश्यमि लाग्न श्रीति गातु घातु । ফানিল। প্রভাত।নিল সরু সরু ফরে ॥ तिथि जोत सनतीन गण गम होता। বাজিলেক বছধার পার্ম উল্লাস। त्नारात्भ कृष्टिश काट्य खन्द्र नरेशा। नाजिक्ता महानत्म हो मिता हो निता। এই রূপে গত তার বৈশ্যর সময়। मधारिक रशेवन आमि इहेन छेनश्र॥ বাজিল তথ্য তার প্রতাপ অপার। বিদারে প্রথব করে অল বম্বার। इहेरनक मनिनीत পूर्व कडिनाय। कूमनी बहन यूनि इहेन इंडान। **हज्जाकी इंदेशक धन्दर वक्र** व क्षित्र , अंबुक्शेकि-इंटकोटन व मन ॥

ुशर्था पूर्व ः अधिक्र दहत । ८४८ च को ८७ दुन्छ । मसार्थ रहेबा अब भनाम छेलुक ॥ এই মত **ভগতে** কঞ্জিলা অভ্যানার। চরমেধরিল, রবি পাওর আকার ॥ एक (योजन-यम गण्ड अवकाति नतः ! तिथ जीमनीटिं लिय दम जीकृत कर ॥ যেগতি রবির ছায় সে গতি ভোনার। हर किना हर एएए एक्थ अकवांत्र ॥ হইণ জনম ভৰ ভুতলে কথন। कतिल मञ्जनश्रीत कुलाजनाभा। দে গুভ বারজা দূত পরক উল্লাচন। कहिल श्रीमा मन वांशत्वत भारत কৌতৃক করিয়া পুরবামিনারী বড়। ८मां इति अपदा नित्त मांत्र के । **रा**श गाउँ **अहे वर्ड टेम्प्स ८७**५ मात्र । পেয়েছ कोराम द्रारका भूव काविकात ! त्यात्त्रकः महीत काश्वि प्रतस्त्रमध्य । 🕟 कतिराउटक का भारत भागमा वालस ॥ কারে সম্ভাগিত কর কোরে অবিদার ৷ कारत प्रशेषक (कारत क्रम्म) विकास क कारतया महावे एक विकास का वर्ष कारत कर्के कत जन। निर्म्नत बन्दन ॥ अर्गेरज अज जरम शंती शंतत क्षात्म ह

कारत पर नित्सत विष्णुप पर्दम । कारत कत मोनशीन मन्त्रीख श्वरन । কারে কর ধনেশ্বর অর্থ বিভর্ণেঃ कारत स्थान नाहि कत रकारत रहत छहान। कारत समानदा कर डेक्टामन भीन । করিতেছ কড মত ভঙ্গীর প্রচার। कर्मात उक्षिया जन इतनगढ़ भाव । 🛊 শীত পক্ষপাছে যথা ক্লঞ্পক আছে। हम्बर्गान आहि उथा योगस्त्र शिष्ट ॥ এই যে চাচর কেশ অভি স্বচিত্রণ। कुत्रीय तका कांखि कृतिरत शांतन !! এই যে মধুর তুলা বচন ভোমার। वनम व्यक्तिङ इत्म वृता इत्व छोत ॥ নয়ন তোমার দূর দর্শনের মত। কিন্তু হবে সেই কালে দৃষ্টিশক্তিহত। . लानिड इहेरव माश्म कुछ शृष्ठराना ! लीम **इरव** मंत्रीरतत ऋठाक ऋरवन ॥ ু এই যে চরণ কর অভি বলবান। वास का प्रवास द्वारा एत सन्धर्मन । **এই यে मनिङ भीज मिक्क्षकोनरम !** श्रदकि वेश्वत कांग विश्व **अवस्थ** ।

ুবসন্তের মনোছর প্রত্যুব স্থার। শরতের প্রফলের স্থা সম ভার॥ भूतारवन रिनरे कारल (छामात राममा) **ভূবিবেলা অস্তর্নের নীরসরসন। ॥** विक्रम क्रिशेश शिष्ट कार्टमेक कूत्रदाः বিয়ক্ত করিবে ভূমি স্থাণ বান্ধবে 🛊 িফলতঃ নিছার যে)বনের অহকার। থাকিবে না আরু তর থাকিবে না আর 🛊 (र्युत) । अनिङा (शरु जौनिष। निम्हत । কলুষ বিদশ কর ধর্মের সঞ্চর 🛭 অধন্মী ছইলে এবে ুমততার বশে: সন্তাপিত হবে শেষে চর্ম নিবদে । (पर जन राव ति एन मान मान जाता। অসর আতায় রাগে কোর না সংহার ম

दित्यों श्रीतिय दश्चेनीयम मिलगतन । वाटम यात्र माला श्रीत विमानगमतम ॥ श्रीतिया क्रयक कांच्र कति ममार्थन । श्रीतिया करिंद्र क्रमें निवासम वार्थन ॥ प्राचन करिंद्र क्रमें निवासमा । प्राचन क्रिंद्र श्रीतिया मिलग्री । इत्याद न्यादि क्रमें श्रीतिया विश्वता ॥ दिस्ताद में क्रिंग श्रीतिया विश्वता ॥

(मर्थ। योग गृंह श्रेन मज़ात लुकांच ॥ यया कुनदर् सूरन यूथ आव्हापन । श्चर्यात पूर्वीय एशिए वनम । कित्रव अवर्ग जांश वाक्तिज मम। श्रीरय करत अधिश्रमि मृगान क्रम्म । नशन यूनिया डिफाइत्थ महि यहि। क्यूक कविष्ड् वाक भी एक व नहती । কিছ তার অদলের হেরে সনাচার। कांच्र करण नाहि इस कबनानकांद्र॥ रहारत्र जात द्वर्थ द्वी विषक्ष करुरत । क्यूटकत प्रम अहे कांट्रम खेटेका करत ॥ হে মুদ্ কলছপ্ৰিয় মাণৰ ছুৰ্জ্জল ! শুগাল প্রকৃতি প্রতি কর বিলোকন চ যে একত। গুলে স্বৰ্গৰা সি-সুৱৰ্গণ। धोरल कायत कूटन करतरह भौजन । न्त्रभक्ती रम अक्छः कि न्त्ररथ वितारम । कामहीन भामहोन शक्त नगरक ह **अराउम कि क्रिउम् श्रीर्थ निहत्र।** श्व श्व कुटल यक दक्त निक्रके न। इस । **এই यে नशिक गोक निन्द्रश्र**कानय। रत कि मधुद्ध ज्यान विश्वत व्यवदर्ग ।

्थकर्जात अञ्चलाल स्टेरल वक्तम। अवड मंहरकार्य करत मन्भानन ॥ প্রভায় লা ধ্য় যদি দেখনা। क्यांच शंद्राधिनीद्र माञ्चाका मनान। করিতেছে প্রাকীট দ্বাপের নির্মাণ n किंव) ऋथ सिंखवारम लिली लिक। येल। नीत्रम निहारत करत मत्रम जनन ॥ পরনার হোতে আছে কুদ্র কি সংসারে। উড়ুড় কত শত শত পতক ফুৎকারে। কিন্ত তার একত্রিত হইয়া যথন। ध्यकां ७ इयत तथा कतरह भारत ॥ নিদাদে প্রবন্ধ প্রভঞ্জন অভ্যানার। সরেশের সে অমোঘ অশনি প্রহার 🛭 दिकल (म भव वल मकल कि इस। ভুক্তিরি শ্**দে বেজে হ**য় পরাকর। वन मा (इ मह ! हथा कोज किए नोटक ! क्षांनगर्कि-श्राम कि रम अक्ला विद्रोप ? হয়েছি কি ভাহে স্থ কুশল প্রচার। विद्युतकत्र भक्ति योत्र महोत् मधोत् ॥ ধিকু তব জ্ঞানে বিকু জীবনে ভোষার।

[50]

পশুর সমান মহে তব ব্যবহার ।
আছে কি বিজ্ঞানে তব এ হেন বচন।
আগণে করিছে সদ। কলহে পীড়ন ।
বলনা কি শাস্তে আছে এলীতি প্রচার।
কোন এনু হোতে একে কোনেছ উদার।
অকিঞ্জন ঘন হীন দ্বিদ্র সকলে।
বন্ধন করিতে আহা! দাসত্ব শৃথানে ।
দ্যার ভাজন যার। হায় হায় হায়!
কশাঘাতে রক্ত পাত ভাহানের গায়॥

परे कि (अर्ड) जन क्लीन श्रधान !

विमाण जूनन द्वारि रहार नाकि कलनः मध्यदि ।

परि विमाण जून का माकि कलनः मध्यदि ।

परि विमाण जीन का मामिल नदन ।

मद्यान क्षिद्व जोहः क्विर्ड शावन ॥

जात मिछा प्रश्न निष्ठा कि का महाना ।

ज्विष्ठ जूनक भागित वन क्विंग का ।

ज्विष्ठ जूनक भागित वन क्विंग ।

वर्षि नर्षे भूमा रम्हे श्रुम्म अञ्चन ।

पर्वा कर्ति नाहि नर्षे स्वान क्विंग ।

मस्क न नाहि नर्षे स्वान क्विंग ।

প্রাণ দাবে স্বাধীনতা যে করে উদ্ধার। যে করে যশের ভরে দেখের পীতন। ध्यनग शुक्ष (महे तांकम हुर्कन ॥ বটেছে নীরত্ব তারে রচিতে সরত। किन दल्थनी कान्न इक्ट्रेग्राट्ट कुछ ॥ वर्षे है डिशास कोत वर्ष्ट मन्दर्भ । বৰ্ণিতে সুবাজা খাদে মুরের প্রধান ॥ आह्य रमहे निका शास्त्र अन् अनुभगः। कडिं जोहार दूसी नरहद अध्य ॥ करव (महे "मिश्रद्धर" कनऋ दृष्टिरः। "(मकन्मरत" मना त्वर्णन क्वार्क श्वारित ॥ "होयूव" ब्वादन लाहिक विनिद्यक दीम ! आंभरत लरवमा (कह "नांभिरद्रत्र" मांम ॥ মত কাল মানবের ছবেন। এইতি। স্বেন। মানুষ হৃদে শান্তির বসতি ॥ रतमा रतमा जात मानम भीजन। হবেন। নির্বাণ তার হশের অনল । रह नां खि ! काथात्र जूमि वन त्या अधीरन ।" नगरत शंब्रिटड किया गरम विशित्न ॥ किया गिर्दि छह। उत्न चर्थ कर नाम। यणीलभन्न-जोरम राष्ट्रक त्मारकक मिन्नम ॥

[45]

दम मिति काथा छद मिछा निरुक्तक ? ৰাঞ্চতৰ অধিকাৰে করিতে বঞ্চন। যে থানে ভোমার সহ প্রারুতি ক্লরী। श्रुतिर्य निर्दारक माम घरा महाती ॥ (यथीरण कनइत्र मां आहम अंतरण। म। परक् जीवन दश्म प्रत्नेत प्रकृतम ॥ रमशारम विद्या हम समित छोर्न। ज्यत्य अस्त अया विक् छन् भौति । যথায় পানপ কুল ভারুক নিকরে। डेपेटनम दन्त मन। मह मह खटन P अपन खड़ग छोन यनि आभि लोहे। তাপিত অন্তর তবে পুলকে জুড়াই। धारनत्नेत्र कीर्छिष्ठ कति दिलाकन। जन। जात भी ज बरम इहेश। भगन ॥

्रितं प्रकाः। आंश्यम यहि खुता कृति ।
भीतत् आंशिन कृत्य स्थीतः। मर्सती ॥
हाम विह्नुग्रंग नीत्र दहेन ।
किन्न विति क्षेत्रं। स्रत अछत् त्महिन ॥
छेनस हहेन आंशि छक्तमः। गंभत्म ।
लांखिन श्राहेषि अक् मूखन खूर्यं। ॥

হৈন ক্লপ.দেখে মন তৃতি হন কার।
নিবে থলোতের আলো জুলে পুনর্মরে
ছটেছে বলধুতুরা বলো ভিডর।
তুলে শির সদা রছে গোহিছে অন্তর ।
লমে ও ভামর দল ভামে দা তথার।
যাগীর নিকটে কোখা লম্পট নেড়ার?
চলিতু সারজে শোভা নেখিতে দেখিতে।
উপনীত বালি আদি কাছে আচিবিতে ।

दिशमी।

पति पति किया स्थ, रहिता रिगट्ड पूथ,

छेथिनिन कानिन ज्ञाने ज्ञाने ।

निक वान नद्रभटन, वलह कार्यात घटन,

मरिका प्राप्त ना रह मक्षांत ?

माक्रिया पास्तांत नारम, स्थी रेटकेंड शांदि,

स्थाभीरिन निते गेड़ी गिड़ि।

गहन कार्यादत हति, अख्या ख्यान कति,

छक्र स्थी शंखत मन्नाडी ॥

इस्त तमा निर्केडन, जूरलिक शंखत, मन्न,

वाञ्चा छात्र समा सम्मान।

मन करे किछ वरन, दाई श्रून किछ भरन, लगारख ७ इंटिंग निराम ॥ जिल्ला मिरल कुछवरम. यूज् वि-विव्यागरन. राल खांदा कल कल खटत ॥ ब्राम भून माना मछ. सर्व भिक्षात कछ, সুখয়ত পাদপ কোটারে। टर्वेश न्यान श्रीतन श्रीत. यथंग हत्रीस श्रीत. উত্তে বার পশ্চিম অঞ্চলে। धक् प्राचे महि महि वाम मित्री क्र कहि. त्यांदर जाता बद्धानर करन ॥ गृह-(भारक मधा हिया अमनिधि माँजिसिता আ'লিতে যতন কত পাব। রক্ত ভোত বহে গায়, সাকণ শুখল পায়, काम्भिद्वक हात्र होत होत । खवारम कि सूथ कार्ड. अनर कांकित कार्ड मकक्न जीए कि (म क्र । जिल्ला लास्त्र या. सद्भा स्ट्राम कड, कृष्टित दर श्रदंशत जेमस । (पर्वे प्रसिद्ध नर्ज. कॉनन तिमानक्त्र ग्र-सर्भ काकरक मधन।

ज्द दल श्रेलिक्ड, (कनमा यांगांत कि.अ. हर्त दाम कर्ति विस्तांकन ॥ ्रायहे क्षांत्म करले करले. (सह शूर्व मरशंधरः विकास अमनी स्था वाता करकत भूरहम. (शीतकम मङ्किम শিশু মুখে মধুর সঞ্চার ॥ সুথকর অসুপম, ত্রিভুবনে গৃহসম বল আর কোন স্থান পাই। यथा भारत सम्बद्धांम. नाहिशांन व्यवसान চাক্র মক্র দাদা ভাই ০ लक्ष्म शूलक माम वक्ष त्रमा निरुक्त न সভ্যদনে মেজের থানার। जयव। मरचत मरम नाया लेकिन भनामरन मामा बक्क क्रिटिश ध्नांश ॥ शक्तांत्र श्रीनिन (नर्ग . मध्ये सूथ मित्रिंगरम প্রকৃতির বিচিত্র শোভায়। किया ७७ वालुकात भूग मक मारातात कर्ग भाग इत शिशी भाग ॥ बाह्र भूर्व मिवा घटत । भून्त्रिक भरीक भटत

मिला यां अपतिम कास्टात ।

[90]

ख्यर, शहन वहन डीयन जिरह शंख हैन

केंग्नि हिंगा यह यह यह ।

रियोगन मिंगा निह से किए। डीह. यह डिल्हा डीह. यह उस से प्राप्त कर महन ।

प्राथ पा डिकान करने करने महन महन महन महन महन प्राप्त करने का करने ॥

यह विश्व करने करने का करने ।

यह इस करने करने करने हैं।

उस हो इस क्रिन डीम्री स्मानन स्मान डिलान हो है।

विश्व विश्व करने करने हैं।

विश्व करने करने करने हैं।

विश्व करने करने करने हैं।

विश्व करने हैं।



मभांख ।

~4@0~

अष्ट अब् श्रेकांगक अहे शृष्ठकथाने तम मूजिन करियः निर्ण कार्गानिकार करियः। निर्ण कार्गानिकार करियः। तमहे कर्माश्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ

অঞ্জ সংশোধন ৷

পূৰ্তা	প্র	অপ্তর
5	৬	अष्ट्र(स
9	₩	তামার
¥	>6	রাসি আদি
۵	52	कूमम्
30	3	ইন্দির
>>	5.2	ভূমি
52	39	আশাচের
36	>9	সুশোভিত
39	310	শিকর
*	5.	কায়
#	>>	ভার
5.0	\$	catala

		•	
्रश्चा '	শ (জ	অগুৰু	64 1
***	2,5	उक्रम :	उँ का न
२७	50	নিলন	ग ि म
30	` >>	করিবত	ক ক্ষেত
'2 2'	\$8	পেরক	. পেচক
34	· 5₩	ない。	- সুখ
36	٠	मानिकात	শাসিকার
97	5, %	गांव	হার
84	25	করিছেতে	করিভেছে
8 &	52 .	চর্ববণর	চৰ্মবণ
45	ં	শ্বেহ	: গ্লেছে
ar	8	मन्दि ।	भवांत
95	۵	त्रव	ক বে
50	21	কুনদী	क्रभूमी
**	, 20	বিষশ	বিনাশি
19	5 ' '	উদ	6
.5	5) .	বিহ্লগণ	বিহল্পদাণ
42	>6	टेवक रड	रेव जब ख
	পা	পরিবর্ত্তন।	•
			•

७८ शृष्टीत १५ लेखिन्द्रात तिक साहरत कारह हो रहतिमञ्ज्ञका शांठ कविरक हरेरव

> व पेंकिन कोटा गम छान्ने कडिएछ स्ट्रेटन। ७१ प्रेर्णन स्पारवा २ में कि छान्न कवित्रा भाउ

[्]राच्या । इत्यादा व्यवस्था । भारत्य । भारत्य । भारत्य । विद्यु व्हेर्ट्यु । । । ।